PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 287 ● भिलाई, बुधवार 27 मई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

महात्मा गांधी का पूरा नाम नहीं ले सके मुख्यमंत्री चौधरी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी साझा किया जा रहा है, जिसको लेकर जन सुराज पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) उन पर हावी है। दरअसल, वीडियो में मुख्यमंत्री चौधरी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का पूरा नाम नहीं ले पा रहे और गलत नाम बोलते दिख हैं। वीडियो पटना में आयोजित बिहार एआई समिट 2026 का बताया जा रहा है। वीडियो में मुख्यमंत्री मोहनदास करमचंद गांधी को मोहन चंद करम कन गांधी कह रहे हैं। जन सुराज पार्टी ने मुख्यमंत्री का वीडियो साझा कर लिखा, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नया नाम सुनिए!! आरजेडी ने वीडियो साझा कर लिखा, मोहनचंद करमगान गांधी?? बापू बनने का मौका दिया या महात्मा बनने का मौका दिया? अरे एआई विशेषज्ञ मुख्यमंत्री आखिर कहना क्या चाहते हो?? बिहार युवा कांग्रेस ने लिखा, जिनसे महात्मा गांधी का नाम तक सही से नहीं लिया जा रहा, वही आज हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं...ये बिहार के लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं।

दिल्ली में रात का तापमान बढ़ा रहा तकलीफ, 32.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज

नईदिल्ली। दिल्ली में रात का तापमान लगातार बढ़त बनाए हुए है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, मुख्य मौसम केंद्र सफदरजंग पर रविवार रात से सोमवार तड़के तक न्यूनतम तापमान 32.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कुछ दिन पहले, 22 मई को सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 31.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। मई में रात के न्यूनतम तापमान ने दिल्ली में सबसे गर्म रात का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। ऐसा तापमान 14 वर्ष पहले दर्ज हुआ था। दिल्ली में रविवार को दर्ज किया गया न्यूनतम तापमान सामान्य से 5.7 डिग्री सेल्सियस अधिक था। यह इस मौसम की दूसरी गर्म रात है। बता दें कि इससे पहले 27 मई, 2012 को सफदरजंग का न्यूनतम तापमान 34.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जिसने उस समय कई सालों का रिकॉर्ड तोड़ा था। दिल्ली के आयानगर में न्यूनतम तापमान 32 डिग्री।

साय कैबिनेट बैठक

जीएडी के अधीन होगा कर्मचारी चयन मंडल-मुख्यमंत्री साय

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज नवा रायपुर स्थित महानदी भवन मंत्रालय में कैबिनेट बैठक हुई, जिसमें कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। कर्मचारी चयन मंडल अब सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) के अधीन होगा। डामर के दाम बढ़ने के कारण अनुबंधित ठेकेदारों को क्षतिपूर्ति राशि दी जाएगी। मंत्रिपरिषद ने राज्य के विभिन्न विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों, निगमों, मंडलों और स्थानीय निकायों में जमा स्क्रैप और अनुपयोगी सामग्रियों के पारदर्शी एवं व्यवस्थित निस्तारण के लिए भारत सरकार के उपक्रम मेटल स्क्रैप ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (स्ख्रष्ट) के साथ सेलिंग एजेंसी अनुबंध की अवधि को आगामी तीन वर्षों के लिए बढ़ाने का निर्णय लिया है। यह अनुबंध नवंबर 2019 से प्रभावी है तथा 31 मई 2026 को समाप्त हो रहा था। स्ख्रष्ट के अत्याधुनिक ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से देशभर के खरीदार प्रतिस्पर्धी बोली लगाकर स्क्रैप सामग्री खरीद सकते हैं, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होती है और राज्य को बेहतर मूल्य प्राप्त होता है। इस व्यवस्था से राज्य में स्क्रैप निस्तारण की प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित, तकनीक आधारित और राजस्वोन्मुख हुई है। इस निर्णय से विभागों को अलग-अलग निविदा और विज्ञापन प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं होगी। प्रशासनिक समय और संसाधनों की बचत होगी। साथ ही कार्यालय परिसरों में स्वच्छता और स्थान प्रबंधन भी बेहतर होगा। मंत्रिपरिषद् की

बैठक में छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल को सामान्य प्रशासन विभाग के अधीन लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसके लिए छत्तीसगढ़ शासन कार्य (आवंटन) नियम में संशोधन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मण्डल अधिनियम, 2026 लागू होने के बाद पूर्व के छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल का विलय नए कर्मचारी चयन मण्डल में हो चुका है। साथ ही उसकी सभी परिसंपत्तियां एवं देनदारियां भी नए मण्डल में शामिल हो गई हैं। राज्य मंत्रिपरिषद ने सड़क निर्माण कार्यों में 01 अप्रैल 2026 के पश्चात बिटुमिन (डामर) की कीमतों में हुई असाधारण और अप्रत्याशित वृद्धि को देखते हुए राज्य के हित और निर्माण कार्यों में निरंतरता बनाए रखने के उद्देश्य से 01 अप्रैल 2026 से 30 जून 2026 की अवधि के लिए अनुबंधित ठेकेदारों को सीमित एवं आंशिक मूल्य राहत (क्षतिपूर्ति) प्रदान करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। यह राहत केवल बिटुमिन मूल्य में हुई असाधारण वृद्धि के प्रभाव को कम करने के लिए निर्धारित फार्मूले के आधार पर दी जाएगी। अन्य निर्माण घटकों पर अनुबंध में पूर्व से प्रावधानित एस्केलेशन नियम यथावत लागू रहेंगे। वैश्विक परिस्थितियों और पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वृद्धि के कारण डामरीकरण कार्य प्रभावित होने लगे थे, जिससे सड़क निर्माण और संधारण कार्यों की गति बाधित होने की आशंका थी। भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा भी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए इसी प्रकार की राहत के निर्देश जारी किए गए हैं।

पीएम मोदी के नेतृत्व में सेवा,सुशासन और जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दी बधाई

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'प्रधान सेवक' के रूप में राष्ट्रसेवा, सुशासन और जनकल्याण को समर्पित सफल 12 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई एवं अभिनंदन व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के दूरदर्शी, निर्णायक और जनकेंद्रित नेतृत्व में भारत ने सेवा, सुरक्षा, आत्मविश्वास और विकास के नए युग में प्रवेश किया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि बीते 12 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने शासन की सोच और कार्यशैली को बदलते हुए सेवा, सुशासन और अंत्योदय की भावना को केंद्र में रखा तथा यह सुनिश्चित किया कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

अमित शाह ने बनाई हाई-लेवल कमेटी

बॉर्डर वाले इलाके में बढ़ रही खास समुदाय की आबादी....

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश में तेजी से हो रहे असामान्य जनसांख्यिकीय बदलावों को लेकर बड़ा कदम उठाया है। केंद्र सरकार ने इस मुद्दे की गहराई से जांच और समाधान के लिए एक हाई-लेवल कमेटी का गठन किया है। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि अवैध घुसपैठ और अन्य कारणों से होने वाले जनसंख्या परिवर्तन देश की सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और भविष्य के लिए गंभीर चुनौती बनते जा रहे

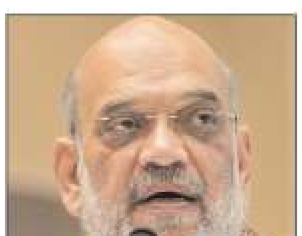

हैं। इसी विषय को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2025 को इस विशेष समिति की घोषणा की थी। सरकार द्वारा गठित इस समिति की अध्यक्षता सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नावलेकर करेंगे। इसके अलावा समिति में पूर्व आईएएस अधिकारी दुर्गा शंकर मिश्रा, पूर्व आईपीएस अधिकारी बालाजी श्रीवास्तव, अर्थशास्त्री डॉ. शमिका रवि और जनगणना आयुक्त को सदस्य बनाया गया है। गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव समिति के सदस्य सचिव होंगे। यह हाई-लेवल कमेटी देशभर में अवैध प्रवास और अन्य कारणों से हो रहे असामान्य जनसंख्या परिवर्तनों का विस्तृत अध्ययन करेगी। साथ ही धार्मिक और सामाजिक समुदायों में बदलते जनसंख्या पैटर्न का विश्लेषण कर केंद्र सरकार को ठोस और समयबद्ध सुझाव सौंपेगी।

लोहे की नहीं कागज की, झांसी में जली बस के यात्री ने सुनाई आपबीती

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में एक लग्जरी बस में अचानक आग का गोला बन गई। हादसा सीपरी बाजार इलाके में हुआ। गनीमत रही कि बस में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं, लेकिन उनका सामान बस के साथ जलकर खाक हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी का माहौल था। यात्रियों ने हादसे के बारे में रोंगटे खड़े कर देने वाली आपबीती सुनाई। जानकारी के मुताबिक, बस रविवार की रात लखनऊ से चलकर एक बस मध्य प्रदेश के रतलाम जा रही थी। बस में 25 से 30 यात्री थे। सोमवार रात करीब सवा एक बजे बस झांसी पहुंची। यहां, इलाइट चौराहे से दो और यात्रियों को बैठाने के बाद बस आगे रवाना हुई।

करीबी नेताओं के साथ कर रहे बड़ी बैठक

सिद्धारमैया सीएम पद से देंगे इस्तीफा,डीके बनेंगे सीएम...

नई दिल्ली/ एजेंसी

कर्नाटक कांग्रेस में सत्ता साझेदारी को लेकर लगातार अटकलें लगाई जाती रही हैं। वहीं अब इंडिया टूडे ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया सीएम पद से इस्तीफा देने की तैयारी में हैं। हालांकि, अब तक राज्यसभा को लेकर सिद्धारमैया की सहमति नहीं मानी जा रही है। इस समय सिद्धारमैया अपने करीबी मंत्रियों के साथ अहम बैठक कर रहे हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि सिद्धारमैया से मुख्यमंत्री पद

छोड़ने के लिए कहा गया था। कांग्रेस हाईकमान ने उनको सीएम पद के बदले राज्यसभा भेजने की बात कही और दिल्ली में बड़ी जिम्मेदारी देने का आश्वासन भी दिया गया। वहीं अब डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की बात निकलकर सामने आ रही है। गौरतलब है कि मंगलवार को हुई मीटिंग के बाद केसी वेणुगोपाल ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आज की बैठक में राज्यसभा चुनाव और एमएलसी चुनाव पर चर्चा हुई। वेणुगोपाल ने आगे कहा कि लोग जो अटकलें लगा रहे हैं, उसमें कोई सच्चाई नहीं है। कांग्रेस पार्टी के अंदर चर्चा है कि कर्नाटक में सत्ता संतुलन बनाए रखने के लिए यह ट्रांजिशन प्लान बनाया गया है। इस प्लान के तहत सरकार में बदलाव भी होगा। साथ ही संगठन और सरकार के बीच संतुलन साधने की कोशिश भी शामिल है।

ट्विशा शर्मा केस

पति समर्थ और सास के खिलाफ दर्ज किया केस

नई दिल्ली। राजधानी भोपाल की मॉडल और एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में अब जांच की जिम्मेदारी सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने अपने हाथ में ले ली है। एजेंसी ने भोपाल पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर को री-रजिस्टर करते हुए मृतका के पति समर्थ सिंह और सास रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह के खिलाफकेस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार,सीबीआई की स्पेशल क्राइम यूनिट की टीम दिल्ली से भोपाल पहुंची और मामले से जुड़े पुलिस अधिकारियों से केस डायरी, दस्तावेज और अन्य अहम सबूत अपने कब्जे में लिए। एजेंसी अब पूरे मामले की नए सिरे से जांच

करेगी। सीबीआई ने ट्विशा शर्मा मौत मामले में दहेज मृत्यु से जुड़ी धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। इससे पहले भोपाल पुलिस की जांच में यह बात सामने आई थी कि मृतका पर अतिरिक्त 20 लाख रुपए दहेज लाने का दबाव बनाया जा रहा था।

दुखद है कि अब तक सबक नहीं सीख पाए, नीट पेपर लीक पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली। नीट पेपर मामले पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि यह दुख की बात है कि परीक्षा के पेपर लीक के पिछले मामलों से कोई सबक नहीं सीखा गया है। कोर्ट ने यह टिप्पणी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के खिलाफ दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए की। एनटीए केंद्र सरकार द्वारा संचालित वह संस्था है जो हृश्वश्वञ्ज और अन्य प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन करती है। कोर्ट ने हृश्वश्वञ्ज-द्र 2026 परीक्षा में पेपर लीक के मामले में दायर याचिकाओं पर केंद्र और शिक्षा मंत्रालय को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने हृञ्ज से यह जवाब भी मांगा कि उस मॉनिटरिंग कमेटी का क्या हुआ।

जंगलों में नक्सलियों ने छिपाकर रखा था मौत का जखीरा

बीएसएफ जवानों ने 2डंप से हथियार और विस्फोटक समान बरामद किया

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में एक बार फिर सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है. दो अलग-अलग कार्रवाई में टिफिन आईईडी, इलेक्ट्रिक डेटोनेटर समेत भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुए हैं. कोयलीबेड़ा और परतापुर थाना क्षेत्र में जिला पुलिस, डीआरजी, बीएसएफ और बीडीएस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की गई है. जानकारी के मुताबिक, कांकेर-नारायणपुर सीमा इलाके के ग्राम गुमचूर के जंगल में सर्च ऑपरेशन के दौरान जमीन में

छिपा नक्सल डंप बरामद किया. जहां से नक्सल साहित्य, 42 नग 303 रायफल राउंड, 75 नग 7.62 एसएलआर राउंड, 21 नग 5.56 रायफल राउंड, 2 7.62 एमएम एसएलआर मैग्जीन फिलर और 6 इलेक्ट्रिक डेटोनेटर बरामद किया गया. इसी दिन ग्राम पदालमस्पी के जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में सर्च अभियान चलाया गया. कार्रवाई के दौरान यहां भी नक्सल डंप बरामद की गई, जिसमें से डीआरजी जवानों और बीडीएस टीम ने एक कंट्री मेड पिस्टल, 1 दो किलो वजनी टिफिन आईईडी, 1 पावर कंट्रोलर, वायर और बैटरी बारमद की गई. कांकेर और नारायणपुर के नक्सल प्रभावित सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार संयुक्त अभियान चलाया जा रहा है. हाल ही नक्सल वर्दी समेत भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किए गए थे.

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा

अनियंत्रित होकर पलटी डबल डेकर एसी बस....दरोगा और कैदी समेत 6 की मौत,15 अन्य यात्री घायल हुए

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली से बिहार जा रही एक तेज रफ्तार डबल डेकर एसी बस मंगलवार सुबह उन्नाव के पास लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर पलट गई। इस दर्दनाक हादसे में एक दरोगा और एक कैदी समेत 6 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 15 अन्य यात्री घायल हुए हैं। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में मंगलवार तड़के एक हृदयविदारक सड़क हादसा हुआ। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर यात्रियों से भरी एक डबल डेकर एसी बस अनियंत्रित होकर पलट गई। यह दुर्घटना औरास थाना क्षेत्र में किलोमीटर संख्या 262 के पास सुबह करीब 5 बजे हुई। हादसे के समय बस में करीब 30 यात्री सवार थे, जिनमें से अधिकांश गहरी नींद में थे। पुलिस की शुरुआती जांच और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस की रफ्तार काफी तेज थी। चालक को अचानक नींद की झपकी आने के कारण उसने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद बस डिवाइडर से टकराकर पलट गई और रेलिंग पर लटक गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कई यात्री खिड़कियों से सीधे एक्सप्रेसवे के नीचे जा गिरे। इस दौरान एक यात्री का पैर कटकर शरीर से अलग हो गया। इस भीषण हादसे में पांच लोगों की जान चली गई है।

मृतकों में बिहार के सीवान पुलिस लाइन में तैनात दरोगा रामचंद्र राम (59) और गुरुग्राम निवासी कैदी छतरपाल सिंह तोमर (59) की पहचान हुई है। जानकारी के मुताबिक, सीवान पुलिस की टीम 24 मई को कैदी को गुरुग्राम कोर्ट में पेशी के लिए लेकर गई थी और वापस बिहार लौटते समय यह हादसा हुआ। अन्य तीन मृतकों की पहचान के प्रयास अभी जारी हैं। डीएम घनश्याम मीणा ने बताया कि अभी तक कुल 6 लोगों की मौत हुई है। पांच की तो घटनास्थल पर ही हो गई थी और एक की मौत इलाज के दौरान हुई है। घायलों में चार लोगों को मेडिकल कॉलेज लखनऊ भेज दिया गया है। मृतकों के परिजनों को सूचित किया गया है। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई, जिसके बाद स्थानीय पुलिस ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। पुलिस ने क्रेन बुलाकर बस को रास्ते से हटवाया और यातायात सुचारू कराया।

सीएम योगी ने खास अंदाज में दी बधाई

बतौर प्रधानमंत्री मोदी ने पूरे किए 12 साल

नई दिल्ली। सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विश्व का सर्वाधिक लोकप्रिय राजनेता बताते हुए उनके नेतृत्व में हुए सांस्कृतिक और आर्थिक बदलावों की सराहना की है। इसके साथ ही सीएम योगी ने पीएम को भारत का नया शिल्पकार भी कहा है। 12 साल पहले आज के ही दिन 26 मई 2014 को नरेंद्र मोदी ने देश के 15वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी और आज उन्होंने अपने कार्यकाल के 12 साल पूरे कर लिए हैं। इस विशेष अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें 'प्रधान सेवक' के रूप में सेवा, सुशासन और लोक-

कल्याण को समर्पित इन गौरवशाली वर्षों के लिए हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए प्रधानमंत्री के नेतृत्व की प्रशंसा की। सीएम योगी ने अपने संदेश में इस बात पर जोर दिया कि इन 12 वर्षों में गरीब कल्याण को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता मिली है।

एक साल में नियमित रूप से नहीं डाली गई बीज, सरकारी अनुदान राशि के दुरुपयोग की उठी मांग

खरखरा जलाशय में 32.40 लाख के अनुदान पर बड़ा खेल! केज बना, मछली पालन गायब, विभागीय मिलीभगत के आरोप

बालोद। जिले में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए संचालित शासकीय योजनाओं में बड़े स्तर पर अनियमितता और भ्रष्टाचार की आशंका ने प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामला खरखरा जलाशय में स्थापित केज संचालन से जुड़ा है, जहां लाखों रुपये की सरकारी अनुदान राशि प्राप्त करने के बावजूद नियमित रूप से मछली पालन नहीं किए जाने का आरोप सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार केज संचालक आशीष कुमेटी द्वारा जून 2025 में खरखरा जलाशय में 20M20 केज के बराबर करीब 1,800 क्यूबिक मीटर क्षमता के केज स्थापित किए गए थे। शासन की योजना के तहत उन्हें लगभग 32.40 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ। लेकिन हैरानी की बात यह है कि केज स्थापना के बाद से अब तक नियमित मछली पालन कार्य नहीं किया गया। स्थानीय सूत्रों का दावा है कि पूरे एक वर्ष के दौरान केज में

लगातार बीज नहीं डाले गए और न ही उत्पादन की कोई ठोस गतिविधि दिखाई दी। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि आखिर सरकारी अनुदान का उपयोग किस कार्य में किया गया।

मिलीभगत की आशंका, विभागीय निगरानी पर सवाल

इस पूरे मामले में मत्स्य विभाग की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। आरोप लगाए जा रहे हैं कि विभागीय अधिकारियों की अनदेखी और कथित मिलीभगत के चलते यह पूरा मामला लंबे समय तक दबा रहा। नियमों के अनुसार लाखों रुपये की अनुदान राशि प्राप्त करने वाले संचालक को नियमित रूप से केज संचालन करना अनिवार्य होता है। साथ ही विभागीय निरीक्षण और प्रगति रिपोर्ट भी आवश्यक होती है। बावजूद इसके यदि एक साल तक नियमित मछली पालन नहीं हुआ, तो विभाग की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लगना स्वाभाविक है।

गर्मी में मर गया बीज, शादी में व्यस्त था संचालक

मामले में जब पायनियर ने केज संचालक आशीष कुमेटी से फोन पर चर्चा की, तो उन्होंने स्वीकार किया कि शुरुआत में एक बार नर्सरी में बीज डाला गया था, लेकिन भीषण गर्मी के कारण बीज मर गया। इसके बाद वे अपनी शादी की तैयारियों में व्यस्त हो गए। उन्होंने कहा कि अब दोबारा बीज डालकर कार्य शुरू किया जाएगा। हालांकि उनका यह बयान कई सवाल खड़े कर रहा है कि आखिर सरकारी अनुदान प्राप्त करने के बाद संचालन को लेकर इतनी बड़ी लापरवाही कैसे बरती गई।

गंभीर विषय है, जांच कर होगी कार्रवाई : एमके पाटले

वहीं मत्स्य विभाग के सहायक संचालक एमके पाटले ने कहा कि उन्हें एक बार बीज डाले जाने की जानकारी है। लेकिन यदि संचालक को लगभग साढ़े 32 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ है, तो नियमित रूप से केज संचालन करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि यदि संचालन में अनियमितता पाई जाती है, तो मामले की जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर अनुदान राशि की वसूली भी की जा सकती है।

निष्पक्ष जांच हुई तो खुल सकते हैं बड़े राज

इस पूरे मामले में यदि निष्पक्ष और गहन जांच कराई जाती है, तो सरकारी अनुदान योजनाओं में बड़े स्तर पर हो रहे भ्रष्टाचार और फर्जी संचालन के कई और मामले सामने आ सकते हैं।

फिलहाल यह मामला जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

साध्वी की सड़क दुर्घटना में मौत से आक्रोश, जैन समुदाय ने निकाली मौन आक्रोश रैली

रीवा जिले की घटना से जैन समाज आक्रोशित

डोंगरगांव नगर। मध्यप्रदेश के रीवा जिले में जैन साध्वी माताओं के साथ हुई हृदयविदारक घटना से सम्पूर्ण जैन समुदाय में गहरा आक्रोश एवं शोक व्याप्त है। उल्लेखनीय है कि विगत दिनों रीवा जिले में विहाररत जैन साध्वी माताओं को एक तेज रफ्तार कार चालक द्वारा लापरवाहीपूर्वक टक्कर मार दी गई थी, जिसमें एक साध्वी माता का दुःखद देहावसान हो गया तथा अन्य साध्वी माताएं जख्मी हो गईं। इस घटना ने देशभर के जैन समाज को झकझोर कर रख दिया है।

उक्त घटना के विरोध स्वरूप में सकल जैन समाज डोंगरगांव नगर द्वारा विशाल आक्रोश मौन रैली निकालकर ज्ञापन सौंपा गया। उक्त मौन रैली आचार्य भगवन् 108 विद्यासागर महामुनिराज एवं उनके आध्यात्मिक उत्तराधिकारी आचार्य 108 समयसागर महामुनिराज के पावन आशीर्वाद एवं आर्यिका माँ 105 सिद्धान्तमति माता, आर्यिका माँ 105 पुनीत माता एवं आर्यिका माँ 105

विनयमति माता ससंघ के सानिध्य में आयोजित की गई। सकल जैन समाज डोंगरगांव के अध्यक्ष सतीश जैन एवं शीतल लोढ़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह मौन रैली केवल विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि साधु-संतों की सुरक्षा, धर्म की गरिमा एवं समाज की एकता के प्रति जागरूकता का प्रतीक है। रैली श्री दिगम्बर जैन मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए रेस्ट हाउस पहुंची, जहां समाजजनों ने शांतिपूर्वक एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर दोषियों पर कठोर कार्रवाई एवं साधु-संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। रैली में विधायक दलेश्वर साहू ने सम्मिलित होकर घटना की निंदा करते हुए दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। उक्त रैली में दिनेश गांधी, देशराज जैन, दिनेश नखत, रोशन यदु, दीना पटेल, राजकुमार जैन, प्रबोध जैन, धर्मेन्द्र जैन, सुनील जैन, ललित लोढ़ा, रमन नाहटा, अखिलेश जैन, अरुण जैन, राकेश लोढ़ा, संदीप लोढ़ा, धन्यकुमार जैन, निखिल जैन, पफुल्ल जैन, प्रियंक जैन, चौधरी अनुज जैन, ऋषभ जैन, सेठ संदीप जैन, योगेश जैन, शैलेष जैन, रितेश जैन, संदीप जैन, दिलीप जैन, वकील जैन, आलोक जैन, अब्बी जैन, राहुल जैन, सौरभ जैन, समीर जैन, राहुल जैन राही सहित जैन समुदाय के पुरुष, महिला एवं युवक युवती स्वस्फूर्त शामिल थे।

बीबीए, बीकॉम एवं बीसीए में 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम से विश्वविद्यालय गौरवान्वित : कुलसचिव

समाधान महाविद्यालय के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

बेमेतरा। समाधान महाविद्यालय में निःशुल्क समर कैंप समापन, शुभकामना एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। इस अवसर पर हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के कुलसचिव भूपेंद्र कुलदीप ने अपने ऑनलाइन वीडियो संदेश में कहा कि समाधान महाविद्यालय ने बीबीए, बीकॉम एवं बीसीए जैसे महत्वपूर्ण पाठ्यक्रमों में 100% परीक्षा परिणाम देकर विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है। बी.कॉम के 90% से अधिक विद्यार्थियों का प्रथम श्रेणी में आना बड़ी उपलब्धि है, उन्होंने विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं महाविद्यालय प्रबंधन को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम में महाविद्यालय के डायरेक्टर अविनाश तिवारी, डायरेक्टर एवं प्राचार्य डॉ. अवधेश पटेल तथा आईएनएच संवाददाता सूरज सिन्हा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बीकॉम, बीबीए एवं बीसीए में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय महाविद्यालय के अनुशासन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण एवं प्राध्यापकों के मार्गदर्शन को दिया। इसी अवसर पर 11 मई से 25 मई 2026 तक आयोजित निःशुल्क समर कैंप का समापन भी सम्पन्न हुआ। समर कैंप में विद्यार्थियों ने बेसिक कंप्यूटर, कौशल विकास, कैरियर मार्गदर्शन, संचार कौशल एवं स्पोकन इंग्लिश जैसी गतिविधियों में भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अपने संबोधन में डायरेक्टर अविनाश तिवारी ने विद्यार्थियों को अनुशासन एवं मेहनत के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। वहीं प्राचार्य डॉ. अवधेश पटेल ने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने का संदेश दिया। आईएनएच संवाददाता सूरज सिन्हा ने 100% परीक्षा परिणाम को महाविद्यालय की बड़ी उपलब्धि बताया। उप प्राचार्य लक्ष्मीनारायण साहू एवं कॉमर्स विभाग की विभागाध्यक्ष संगीता अग्रवाल ने विद्यार्थियों को निरंतर अध्ययन एवं आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की शुभकामनाएँ दीं। वहीं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष राजेंद्र वर्मा ने विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान एवं कौशल विकास पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान बीएससी, बीबीए, बीसीए, डीसीए, पीजीडीसीए एवं बीकॉम प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। सम्मानित विद्यार्थियों में क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त बीसीए के गुलशन साहू, हर्ष साहू, कुलदीप साहू, बीसीए चौथे सेमेस्टर से प्रथम स्थान प्राप्त नूरी सिन्हा, द्वितीय मेहताब एवं तृतीय शौर्य शंकर साहू शामिल रहे। वहीं पीजीडीसीए के अभिषेक, दुर्गा एवं अजय कुमार तथा डीसीए के गगन, नितिन तिवारी एवं देवांश पिलानिया को भी सम्मान प्रदान किया गया। वाणिज्य विभाग में योगेन्द्र साहू, नीरज, रश्मि त्रिपाठी, गगन सिन्हा, आर. महेन्द्र साहू एवं प्रिया को सम्मानित किया गया। वहीं बीबीए के विद्यार्थियों में गुलशन साहू, सौरभ वर्मा, रौनक, श्रेया सोनी, नेहा गुप्ता एवं चंदन को भी सम्मान प्रदान किया गया। विज्ञान विभाग में आफरीन नाज़, डूमेश देवांगन, देवेन्द्र कुमार साहू, यज्ञान्स तिवारी, रितेश प्रताप, मुकेश पाल, जिज्ञासा पटेल, हेमा साहू एवं आरुषि शर्मा को उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ सम्पन्न हुआ।

प्रदेश में शीघ्र शुरू होगी सीएम हेल्पलाइन 1076

जिला एवं विकासखंड स्तर के अधिकारियों को दी गई तकनीकी एवं प्रशासनिक जानकारी

बेमेतरा। प्रदेश में सुशासन को और अधिक प्रभावी एवं जनकेंद्रित बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा सीएम हेल्पलाइन एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली शीघ्र प्रारंभ की जा रही है। सुशासन एवं अभिसरण विभाग के अंतर्गत संचालित यह प्रणाली नागरिकों को शासकीय सेवाओं एवं योजनाओं तक सरल पहुंच उपलब्ध कराने तथा उनकी शिकायतों के त्वरित, पारदर्शी एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विकसित की गई है।

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ प्रशिक्षण-कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में सुशासन एवं अभिसरण विभाग के सलाहकार अनुराग दीवान सहित जिला पंचायत सीईओ, डीएफओ, अपर कलेक्टर, एसडीएम एवं विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। विकासखंड स्तर के अधिकारी एवं विभाग प्रमुख

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशिक्षण से जुड़े।बैठक में अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली की कार्यप्रणाली, ऑनलाइन शिकायत पंजीयन, मॉनिटरिंग व्यवस्था एवं शिकायत निराकरण की चरणबद्ध प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही पोर्टल एवं डैशबोर्ड संचालन, शिकायतों के वर्गीकरण, ट्रैकिंग एवं समयसीमा आधारित निराकरण की तकनीकी प्रक्रिया से अवगत कराया गया।

वेब पोर्टल, मोबाइल ऐप और व्हाट्सएप से भी मिलेगी सुविधा-प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि प्रदेश का कोई भी नागरिक टोल फ्री नंबर 1076 पर कॉल कर, वेब पोर्टल, मोबाइल ऐप, व्हाट्सएप अथवा लिखित आवेदन के माध्यम से अपनी शिकायत 24M7 दर्ज करा सकेगा। शिकायत दर्ज होते ही शिकायतकर्ता को एक यूनिक शिकायत क्रमांक प्रदान किया जाएगा, जिसके माध्यम से वह अपनी शिकायत की वर्तमान स्थिति, संबंधित विभाग एवं अधिकारी की जानकारी तथा समाधान की समयसीमा देख सकेगा। सीएम हेल्पलाइन सेंटर सप्ताह के सातों दिन एवं चौबीसों घंटे संचालित रहेगा, जिससे नागरिकों को किसी भी समय अपनी समस्या दर्ज कराने की सुविधा मिलेगी। शासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिक भी इस सुविधा का लाभ आसानी से प्राप्त कर सकें।

तकनीक आधारित मॉनिटरिंग से बढ़ेगी जवाबदेही, लंबित शिकायतों पर रहेगी मुख्यमंत्री कार्यालय की निगरानी-शिकायत दर्ज होने के पश्चात संबंधित विभाग एवं अधिकारी तक प्रकरण तत्काल ऑनलाइन माध्यम से पहुंच जाएगा। पूरी प्रक्रिया तकनीक आधारित मॉनिटरिंग सिस्टम से जुड़ी होगी, जिससे प्रत्येक स्तर पर अधिकारियों की जवाबदेही तय की जा सकेगी तथा शिकायतों के अनावश्यक लंबित रहने की संभावना कम होगी। प्रशिक्षण में यह भी बताया गया कि शिकायतों के निराकरण के बाद संबंधित नागरिक से फीडबैक लिया जाएगा। शिकायतकर्ता के संतुष्ट होने पर ही शिकायत का अंतिम निराकरण माना जाएगा। यदि शिकायतकर्ता असंतोष व्यक्त करता है, तो शिकायत स्वतः पुनः सक्रिय होकर आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित स्तर पर भेज दी जाएगी।

12 साल बाद खत्म हुआ कवर्धा का चर्चित चुनावी विवाद, सुप्रीम कोर्ट से पूर्व विधायक अशोक साहू को बड़ी राहत

कवर्धा। वर्ष 2013 के कवर्धा विधानसभा चुनाव से जुड़ा बहुचर्चित कानूनी विवाद आखिरकार 12 वर्षों बाद पूरी तरह समाप्त हो गया। कांग्रेस नेता एवं पूर्व मंत्री मोहम्मद अकबर द्वारा भाजपा के पूर्व विधायक अशोक साहू के खिलाफ दायर चुनाव याचिका को पहले छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट और अब सुप्रीम कोर्ट से भी राहत नहीं मिल सकी। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा रिकॉल आवेदन खारिज किए जाने के बाद इस लंबे राजनीतिक और कानूनी प्रकरण का पटाक्षेप हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में दायर रिकॉल आवेदन को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि पूर्व आदेश वापस लेने का कोई वैधानिक आधार प्रस्तुत नहीं किया गया है। इससे पहले 12 फरवरी 2026 को सर्वोच्च न्यायालय ने यह कहते हुए अपील समाप्त कर दी थी कि संबंधित विधानसभा का कार्यकाल समाप्त हो चुका है और चुनाव

याचिका पहले ही निरस्त हो चुकी है, ऐसे में आगे सुनवाई का कोई औचित्य नहीं बनता। इस फैसले के साथ ही वर्ष 2013 में कवर्धा विधानसभा की जनता द्वारा दिए गए जनादेश पर न्यायिक स्तर पर भी अंतिम मुहर लग गई है। लंबे समय तक राजनीतिक चर्चाओं और कानूनी बहसों का केंद्र रहे इस मामले में अदालतों ने उपलब्ध साक्ष्यों और कानूनी तथ्यों के आधार पर आरोपों को स्वीकार नहीं किया।

दरअसल, वर्ष 2013 के विधानसभा चुनाव में कवर्धा सीट से भाजपा प्रत्याशी अशोक साहू विजयी घोषित हुए थे। चुनाव परिणाम के बाद कांग्रेस प्रत्याशी मोहम्मद अकबर ने चुनाव खर्च सीमा उल्लंघन और कथित भ्रष्ट आचरण सहित कई आरोप लगाते हुए चुनाव याचिका दायर की थी। मामला शुरू से ही राजनीतिक दृष्टि से बेहद संवेदनशील माना गया और वर्षों तक अदालतों में इसकी सुनवाई चलती रही। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान चुनाव खर्च और इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों से जुड़े कई बिंदुओं को आधार बनाकर आरोप लगाए गए। हालांकि अदालत ने उपलब्ध दस्तावेजों, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड और प्रस्तुत साक्ष्यों का परीक्षण करने के बाद वर्ष 2016 में चुनाव याचिका खारिज कर दी थी। न्यायालय ने माना कि प्रस्तुत इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड और सीडी कानूनी मानकों के अनुरूप प्रमाणित नहीं किए जा सके। साथ ही यह भी स्पष्ट हुआ कि चुनाव परिणाम प्रभावित होने संबंधी दावे पर्याप्त रूप से सिद्ध नहीं हो पाए। हाईकोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जहां भी याचिकाकर्ता को सफलता नहीं मिली। सर्वोच्च न्यायालय ने मामले की परिस्थितियों और कानूनी स्थिति को देखते हुए अपील समाप्त कर दी। इसके बाद पूर्व आदेश को वापस लेने के लिए रिकॉल आवेदन प्रस्तुत किया गया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उसे भी खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले के बाद कवर्धा विधानसभा क्षेत्र में यह मामला एक बार फिर चर्चा का विषय बन गया है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने इसे सत्य, लोकतंत्र और जनता के जनादेश की जीत बताया है। वहीं राजनीतिक जानकारों का कहना है कि लंबे समय तक चले इस प्रकरण के समाप्त होने से अब इस मामले पर कानूनी रूप से पूरी तरह विराम लग गया है।

क्षेत्र के कई लोगों का मानना है कि जनता द्वारा दिए गए निर्णय को अदालत में चुनौती दी गई थी, लेकिन अंततः आरोप प्रमाणित नहीं हो सके। यही कारण है कि अब इस फैसले को लोकतांत्रिक व्यवस्था और न्यायिक प्रक्रिया की महत्वपूर्ण परिणति के रूप में देखा जा रहा है।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दल्ली राजहरा की मासिक बैठक का आयोजन

दल्लीराजहरा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दल्ली राजहरा की मासिक बैठक का आयोजन कांग्रेस भवन दल्ली राजहरा में किया गया। बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष रतिराम कोसमा ने आने वाले समय में संगठनात्मक मजबूती के लिए कार्य योजना बनने पर चर्चा किया, उपस्थित सदस्य गणों ने कांग्रेस संगठन की मजबूती के लिए अपना समय देने पर एक राय होकर सहमति दी, साथ ही दल्ली राजहरा नगर पालिका में बैठे भाजपानीत अध्यक्ष की निष्क्रियता के खिलाफ आगामी समय में आंदोलन पर चर्चा की गई। ब्लॉक अध्यक्ष रतिराम कोसमा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि नगर पालिका में जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बैठी है तब से दल्लीराजहरा का विकास रूक सा गया है। नगर

पालिका में कांग्रेस के अध्यक्ष के कार्यकाल में दो बड़ी-बड़ी पानी टंकियां बनाई गई जो आज मात्र प्रदर्शनी के काम आ रही है। दफाई क्षेत्र में आज भी जलापूर्ति आरंभ नहीं की जा सकी है। जिम्मेदार लोगों के द्वारा अभी भी नए बोर करने की बात कही जा रही है जबकि जल आवर्धन योजना को पूर्ण कर के हर घर में पानी दिया जा सकता था, भाजपा नीत अध्यक्ष के कार्य प्रणाली से आज दल्ली राजहरा का हर घर प्यासा है कांग्रेसजनों ने ठाना है कि दल्ली राजहरा के विकास को अवरुद्ध करने वाले नगर पालिका अध्यक्ष के खिलाफ में जोरदार विरोध प्रदर्शन शीघ्र ही किया जाएगा। विभिन्न वार्डों में सुलभ शौचालय बनाया गया है लेकिन किसी में दरवाजा नहीं है कहीं नल में टोटी नहीं है , तो कहीं पर पानी की टंकी ही नहीं लगी है । सुलभ शौचालय शो पीस बनकर रह गए हैं आम जनता के उपयोग के लिए कार्य नहीं कर रहे हैं ऐसे में उनके निर्माण में खर्च किए गए राशि का दुरुपयोग ही हुआ है। उपस्थित कांग्रेस जनों ने दल्ली राजहरा में नगर पालिका खेल के खिलाफ शीघ्र ही हल्ला बोल आंदोलन शुरुआत करने की आवश्यकता बताई है।

सेवा परमो धर्मः के संकल्प संग वात्सला संस्था का सतत सेवा अभियान

पुरुषोत्तम मास में बच्चों के लिए फल, स्वास्थ्य सुरक्षा व नन्हे कदम मिशन के तहत फुटवियर वितरण

बेमेतरा। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर वात्सला संस्था द्वारा सेवा परमो धर्मः के भाव के साथ निरंतर सेवा अभियान चलाया जा रहा है। इसी श्रृंखला में ग्रामीण ऊधरा आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को मौसमी फल, ग्लूकोन-डी, वॉटर बॉटल एवं संस्था के नन्हे कदम मिशन के तहत छोटे बच्चों को फुटवियर वितरित किए गए। भीषण गर्मी को देखते हुए बच्चों एवं उनकी माताओं को हीट स्ट्रोक से बचाव, शरीर में पानी की कमी से सुरक्षा तथा गर्मी में आवश्यक सावधानियों की जानकारी भी दी गई। फल एवं उपयोगी सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। संस्था अध्यक्ष ज्योति सिंघानिया सहित स्वीटी

सलूजा, मंजू मोटवानी, अनीता साहू, कीर्ति सिंघानिया, विजय लखोटिया आदि की उपस्थिति में आयोजित यह सेवा अभियान 16 मई से प्रारंभ होकर 13 जून तक निरंतर चलेगा। संस्था द्वारा अब तक मानपुर, ताला, बीजाभाट, गुनरबोर्ड सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों, स्लम बस्तियों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में सेवा दी जा चुकी है तथा यह सेवा श्रृंखला आगे भी निरंतर जारी रहेगी। इस पुनीत एवं निस्वार्थ सेवा कार्य के लिए उपस्थित ग्रामीण पालकों, बच्चों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता टीम ने वात्सला संस्था के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए संस्था की सेवाभावी भावना एवं मानवता के प्रति समर्पण की मुक्त कंठ से सराहना की।

15 हजार रुपए के घूस लेते पटवारी को एसीबी टीम ने किया गिरफ्तार

बेमेतरा। जमीन बंटवारे के लिए पटवारी के द्वारा 15000 घूस लेते हुए एंटी ब्यूरो करप्शन के द्वारा रंगे हाथ पकड़ा गया जानकारी के अनुसार मामला बेमेतरा जिला की साजा विकासखंड क्षेत्र के तहत आने वाले ग्राम डोंगी तराई के पटवारी ओंकार सोनवानी ने जमीन बंटवारे के लिए किसान नरोत्तम साहू से 25000 की मांग किया था, लेकिन इतना रकम देने में सक्षम नहीं था तो पटवारी उसका काम नहीं कर रहा था लेकिन नरोत्तम साहू लगातार जमीन बंटवारे के लिए पटवारी का चक्कर लगाता रहा। बाद में 15000 रुपए में यह सौदा हुआ, जब यह सौदा कंफर्म हो गया तब नरोत्तम ने इसकी शिकायत एसीबी को प्रमाण सहित दिया गया, जिसका एसीबी द्वारा इसका परीक्षण किया गया तो शिकायत सही पाया गया। इसके बाद में पाउडर से युक्त 15000 लेकर वह नरोत्तम साहू पटवारी के पास गया और जैसे ही पटवारी ने 15000 हाथ में दिया तत्काल एंटी ब्यूरो करेप्शन टीम ने उन्हें तत्काल पकड़ लिया और उसके बाद उसके हाथ को पानी से धोया गया जिसमें पटवारी का हाथ से रंग निकाला जिससे प्रमाणित हो गया।

इसके बाद टीम के द्वारा नियमानुसार कार्रवाई शुरू कर दी गई।

संक्षिप्त समाचार

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार भाजपा बूथ अध्यक्ष की मौत

रायपुर। सरगुजा जिले के बतौली थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-43 पर शुक्रवार देर रात तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। शांतिपारा मुख्य मार्ग में एक अज्ञात वाहन ने भाजपा बूथ अध्यक्ष को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भयावह था कि वाहन चालक घायल को करीब 20 मीटर तक घसीटते हुए फरार हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही 112 बतौली की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल भाजपा बूथ अध्यक्ष को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बतौली पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों ने लगातार बढ़ रही तेज रफ्तार वाहनों की समस्या और यातायात नियमों की अनदेखी पर सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि एनएच-43 पर आए दिन तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण हादसे बढ़ते जा रहे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और फरार अज्ञात वाहन चालक की तलाश की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और प्रत्यक्षदर्शियों के आधार पर वाहन की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

कबाड़ कारोबारियों पर पुलिस का बड़ा शिकंजा, 40 गोदाम सील

रायपुर। जिले में अवैध कबाड़ कारोबार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कबाड़ कारोबारियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। एसएसपी के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जिलेभर में ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए अब तक 40 कबाड़ गोदामों को सील किया गया है। पुलिस द्वारा 49 कबाड़ियों की जांच की गई, जिनमें कई कारोबार संदिग्ध पाए गए। कार्रवाई के दौरान मस्तूरी क्षेत्र में कबाड़ से भरी एक गाड़ी भी जप्त की गई, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। इस अभियान के तहत 18 कबाड़ियों को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस को आशंका है कि कई कबाड़ी चोरी का सामान खरीदने और बेचने के नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक चोरी के माल की खरीद-फरोख्त करने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है और जांच के आधार पर आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। बिलासपुर पुलिस का यह अभियान लगातार जारी है, जिससे अवैध कारोबारियों में डर का माहौल बना हुआ है।

किसान के मक्का खेत में लगी भीषण आग, 6 एकड़ फसल जलकर खाक

रायपुर। पखांजूर क्षेत्र के पीवी-43 गांव में किसान के मक्का खेत में भीषण आग लगने से भारी नुकसान हो गया। आग की चपेट में आने से करीब 6 एकड़ में लगी पकी हुई मक्का की फसल पूरी तरह जलकर खाक हो गई। जानकारी के अनुसार किसान नानटू मिर्धा की खेत में तैयार खड़ी मक्का फसल अचानक आग की लपटों में घिर गई। देखते ही देखते आग ने पूरे खेत को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे लाखों रुपये की फसल नष्ट हो गई। घटना के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। इस हादसे से किसान नानटू मिर्धा को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। मामले की सूचना स्थानीय प्रशासन को दे दी गई है।

मानसून पूर्व तैयारियां तेज, मुख्य सचिव ने ली बाढ़ नियंत्रण हाई पावर कमेटी की बैठक

कलेक्टर्स को कड़े निर्देश-1 जून से शुरू होगी दैनिक मॉनिटरिंग

- 1 जून से कलेक्टर्स देंगे प्रतिदिन रिपोर्ट, संवेदनशील क्षेत्रों और बड़े जलाशयों पर रखी जाएगी चौबीसों घंटे नजर

रायपुर/ संवाददाता

आगामी मानसून के दौरान प्राकृतिक आपदाओं, विशेषकर बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए राज्य शासन के विभिन्न विभागों द्वारा की गई तैयारियों की गहन समीक्षा की गई। राहत शिविरों के प्रबंधन से लेकर आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी आवश्यक पहलुओं पर व्यापक रणनीति तैयार की गई। छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में आज मंत्रालय (महानदी भवन) में राज्य स्तरीय उच्च स्तरीय बाढ़ नियंत्रण समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। मुख्य सचिव ने राज्य के सभी जिला कलेक्टर्स एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्षों को मानसून 2026 के मद्देनजर सुरक्षा और राहत व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। सभी कलेक्टर्स को आगामी 1 जून से प्रतिदिन वर्षा की स्थिति और उससे होने वाली संभावित क्षति की जानकारी अनिवार्य रूप से शासन को भेजनी होगी। प्रत्येक जिले में बाढ़ नियंत्रण के लिए विशेष नोडल अधिकारियों की नियुक्ति तत्काल पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में जून माह में मानसून के सक्रिय होने की संभावना है। आपदा के समय त्वरित सहायता और समन्वय के लिए राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) क्रियाशील कर दिया गया है। महत्वपूर्ण संपर्क सूत्र (स्टेट कंट्रोल रूम) राज्य स्तर

पर दूरभाष क्रमांक 0771-2223471, 0771-2221242 ओर फैक्स क्रमांक 0771-2223472 इसके साथ ही सभी जिला मुख्यालयों में भी जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जा चुके हैं। बैठक में मुख्य सचिव ने बाढ़ और अतिवृष्टि की स्थिति में जनहानि को शून्य रखने के लिए विभागों को उनकी जिम्मेदारी दी है। पहुंचविहीन और संवेदनशील क्षेत्रों में राशन, नमक, केरोसिन और जीवन रक्षक दवाओं का अग्रिम भंडारण अभी से सुनिश्चित किया जाए। बाढ़ संभावित क्षेत्रों के लिए विशेष चिकित्सा दलों का गठन किया जाए। ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में पेयजल स्रोतों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने और ब्लीचिंग पाउडर की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। हर साल बाढ़ से प्रभावित होने वाले निचले इलाकों की पहचान कर वहां चौबीसों घंटे निगरानी रखी जाए। बाढ़ से बचाव के उपकरणों और मोटरबोट्स की तत्काल मरम्मत करा ली जाए। नगर सेना और नागरिक सुरक्षा अमले को अलर्ट मोड पर रहने को कहा गया है। बड़े बांधों का जलस्तर बढ़ने पर जल निकासी (पानी छोड़ने) से कम से कम 12 घंटे पहले निचले जिलों और सीमावर्ती राज्यों को अलर्ट जारी करना अनिवार्य होगा। प्रदेश के जर्जर व कमजोर हो चुके पुल-पुलियों, रपटों और सरकारी इमारतों की पहचान कर तत्काल मरम्मत कराई जाए। दुर्घटनाजन्य स्थलों पर बैरियर और सूचना पटल लगाए जाएं। बाढ़ प्रभावितों के मकान क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में वन विभाग नजदीकी डिपो में बांस-बल्ली का पर्याप्त भंडारण रखे। नगरीय निकायों को मानसून के दौरान शहरों की सभी छोटी-बड़ी नालियों की निरंतर सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि जलभराव की स्थिति न बने। मौसम विज्ञान केंद्र द्वारा जारी भारी वर्षा की चेतावनियों को समय पर जिला कंट्रोल रूम और आम जनता तक पहुँचाया जाए। किसानों को मोबाइल ऐप्स के माध्यम से मौसम का पूर्वानुमान भेजा जाए। बाढ़ से फसलों को होने वाले नुकसान का सर्वे राजस्व, कृषि और उद्यानिकी विभाग के अधिकारी संयुक्त रूप से करेंगे और त्वरित रिपोर्ट शासन को सौंपेंगे। मुख्य सचिव ने नगरीय क्षेत्रों में स्थित जर्जर और खतरनाक भवनों की लगातार निगरानी करने तथा वहां रहने वाले लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करने के निर्देश दिए। नागरिकों की सुरक्षा के लिए विभिन्न आपदा प्रबंधन और मौसम पूर्वानुमान मोबाइल ऐप्स का व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर भी जोर दिया गया।

399 किलो गांजा भट्ठी में जलाकर खाक हुआ

रायपुर। कमिश्नरेट के पश्चिम जोन में नशे के कारोबार पर शुक्रवार को ऐसा वार हुआ, जिसने ड्रग माफियाओं की कमर तोड़ दी। अलग-अलग थानों में एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामलों में जब्त सैकड़ों किलो मादक पदार्थ को सिलतरा स्थित जायसवाल निको कंपनी के पावर प्लांट की भट्ठी में जलाकर पूरी तरह नष्ट कर दिया गया। सुबह से शुरू हुई इस हाई सिक्योरिटी कार्रवाई में पुलिस, आबकारी विभाग और जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी की टीम मौजूद रही। रायपुर पुलिस ने कुल 42 एनडीपीएस प्रकरणों में जब्त 399.576 किलोग्राम गांजा, 2.90 ग्राम ब्राउन शुगर और 1738 नग नशीली टैबलेट व कैप्सूल को विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत खत्म किया। कार्रवाई पुलिस मुख्यालय और गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के तहत की गई। पूरे ऑपरेशन की निगरानी पुलिस उपायुक्त पश्चिम जोन संदीप कुमार पटेल, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राहुल देव शर्मा, सहायक पुलिस आयुक्त आजाद चौक ईशु अग्रवाल और जिला आबकारी अधिकारी राजेश कुमार शर्मा की मौजूदगी में हुई। पर्यावरण विभाग से अनुमति लेने के बाद जब्त मादक पदार्थों को पावर प्लांट के फर्नेस में जलाया गया ताकि जनसामान्य की सुरक्षा और पर्यावरणीय मानकों का पूरा ध्यान रखा जा सके। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक यह कार्रवाई सिर्फ नशे की खेप खत्म करने तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने और ड्रग नेटवर्क को कमजोर करने की बड़ी रणनीति का हिस्सा है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर खेती-किसानी के लिए मिलेगा पर्याप्त डीजल पेट्रोल...

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए किसानों के हित में बड़ा निर्णय लिया है। राज्य में पेट्रोल एवं डीजल की उपलब्धता की समीक्षा के बाद मुख्यमंत्री श्री साय ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि खेतों की जुताई के लिए ट्रैक्टरों तथा सिंचाई पंपों हेतु किसानों को आवश्यकता अनुसार डीजल की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि खेती-किसानी के कार्य प्रभावित न हों। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा है कि किसान प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और खरीफ सीजन की तैयारी में किसी भी प्रकार की बाधा स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने खाद्य विभाग, जिला प्रशासन तथा ऑयल कंपनियों को

निर्देशित किया है कि किसानों को डीजल समय पर और बिना किसी कठिनाई के उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा है कि आगामी खरीफ सीजन में खेती के लिए किसानों को डीजल सुगमता से प्राप्त हो, इसका ध्यान सभी ऑयल कंपनी और जिला प्रशासन द्वारा विशेष रूप से रखा जाये। उल्लेखनीय है कि खाद्य विभाग द्वारा 22 मई 2026 को जारी निर्देशानुसार पेट्रोल एवं डीजल के दुरुपयोग को रोकने के उद्देश्य से प्रदेश के 2516 पेट्रोल-डीजल पंपों से ड्रम एवं जरीकेन में ईंधन प्रदाय पर प्रतिबंध लगाया गया है।हालांकि किसानों की जरूरतों और खरीफ सीजन की तैयारियों को देखते हुए इस व्यवस्था में आवश्यक छूट प्रदान की गई है, ताकि खेतों की जुताई, बोवाई और सिंचाई कार्य बाधित न हों। खाद्य सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले ने जानकारी दी है कि छत्तीसगढ़ में पेट्रोल एवं डीजल की उपलब्धता पर्याप्त है। वर्तमान में प्रदेश में 4 करोड़ 03 लाख लीटर पेट्रोल तथा 5 करोड़ 55 लाख लीटर डीजल का स्टॉक उपलब्ध है। वहीं, 24 मई 2026 को राज्य को 23 लाख 33 हजार लीटर पेट्रोल तथा 62 लाख 40 हजार लीटर डीजल प्राप्त हुआ है। राज्य में आवश्यकतानुसार पेट्रोल एवं डीजल की नियमित आपूर्ति जारी है।

सामाजिक एकता और सांस्कृतिक चेतना का सशक्त केंद्र बनेगा नया सामाजिक भवन-राजेश अग्रवाल

- ग्राम देवगढ़ (उदयपुर) में कंवर समाज विकास समिति के नवनिर्मित भवन का भव्य लोकार्पण
- समाज की परंपराओं, संस्कारों और सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने की दिशा में बड़ी पहल

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज सरगुजा जिले के विकासखंड उदयपुर के अंतर्गत ग्राम देवगढ़ में कंवर समाज विकास समिति, सरगुजा के तत्वावधान में नवनिर्मित सामाजिक भवन का लोकार्पण किया। उन्होंनें कहा कि यह भवन सामाजिक एकता और सांस्कृतिक चेतना का सशक्त केंद्र बनेगा। इस गरिमामयी समारोह में बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजन, स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहे। संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि समाज की एकता, समृद्ध संस्कृति और पारंपरिक मूल्यों को अक्षुण्ण रखने में ऐसे सामाजिक भवनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। यह नवनिर्मित भवन केवल ईंट-पत्थरों से बनी एक भौतिक संरचना नहीं है, बल्कि यह आने वाले समय में सामाजिक समरसता, आपसी सहयोग और सांस्कृतिक चेतना का एक जीवंत केंद्र बनेगा। उन्होंने समाजहित और सांस्कृतिक संरक्षण के क्षेत्र में कंवर समाज द्वारा किए जा रहे कार्यों की भूरि-भूरि सराहना की। उन्होंने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ की वास्तविक पहचान यहाँ की अनूठी जनजातीय संस्कृति, उच्च जीवन मूल्य और आपसी सामाजिक सौहार्द में निहित है। राज्य सरकार सर्वसमाज के कल्याण और उनकी सांस्कृतिक विरासतों को सहेजने के साथ-साथ सामाजिक संगठनों को सशक्त बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मंत्री श्री अग्रवाल ने रेखांकित किया कि सामाजिक भवन समाज के लोगों को एक ऐसा साझा मंच प्रदान करते हैं, जहाँ सामाजिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सामुदायिक गतिविधियों का निष्पादन सुगमता से किया जा सकता है। सामूहिक आयोजनों से समाज में आपसी संवाद, सांगठनिक ढांचा और सहयोग की भावना और अधिक सुदृढ़ होती है। समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह भवन युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों के कल्याण और विकास के लिए एक बहुउपयोगी केंद्र साबित होगा। उन्होंने कहा कि अपनी गौरवशाली संस्कृति और गौरव को नई पीढ़ी तक हस्तांतरित करना हम

सिरकोतंगा के पारस को मिली राहत नामांतरण का कार्य हुआ आसान.....

- गांव में ही मिला दस्तावेज, दफ्तरों के चक्कर से मिली मुक्ति

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित सुशासन तिहार 2026 ग्रामीण क्षेत्रों में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बन रहा है। शासन की मंशा के अनुरूप राजस्व एवं अन्य शासकीय सेवाएं अब गांव स्तर पर ही उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे लोगों को दफ्तरों के चक्कर लगाने से राहत मिल रही है। इसी क्रम में सरगुजा जिले के ग्राम सिरकोतंगा निवासी श्री पारस का फौती नामांतरण

प्रकरण सुगमता और समयबद्ध तरीके से निराकृत किया गया। श्री पारस ने बताया कि उनके पिता के निधन के बाद संपत्ति के फौती नामांतरण की आवश्यकता थी। इसके लिए उन्होंने आवेदन प्रस्तुत किया था। आवेदन प्राप्त होने के बाद प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण की और गांव में ही हल्का पटवारी के माध्यम से उन्हें फौती नामांतरण से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध करा दिया गया। उन्होंने बताया कि पहले ऐसे कार्यों के लिए कई बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन सुशासन तिहार के माध्यम से उनका कार्य आसानी और पारदर्शिता के साथ पूरा हो गया। श्री पारस ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सुशासन तिहार के कारण अब ग्रामीणों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए भटकना नहीं पड़ रहा है। गांव में ही प्रशासनिक सेवाएं मिलने से समय और धन दोनों की बचत हो रही है। सुशासन तिहार के अंतर्गत गांव-गांव आयोजित जनसमस्या निवारण शिविरों के माध्यम से राजस्व, सामाजिक सुरक्षा, खाद्य, स्वास्थ्य एवं अन्य विभागों की सेवाएं सीधे आम जनता तक पहुंचाई जा रही हैं।

अस्पताल में हर रोज पहुंच रहे लगभग 60 से अधिक

रायपुर। मई के अंतिम सप्ताह में छत्तीसगढ़ में गर्मी का कहर देखने को मिल रहा है। प्रदेश में पारा 45 डिग्री तक पहुंच गया है। प्रदेश में अधिकतम तापमान बढ़ने के साथ ही सनबर्न के केस भी बढ़ गए हैं। मेकाहारा के चर्म रोग विभाग में हर रोज सनबर्न की समस्या को लेकर लगभग 60 मरीज से अधिक मरीज पहुंच रहे हैं। बढ़ी हुई गर्मी से लोग परेशान है। तेज गर्मी से एक तरफ लू लगने का डर है, तो वहीं दूसरी तरफ सनबर्न की समस्या भी बढ़ गई है। धूप में निकलने के कारण लोगों को कई तरह की त्वचा संबंधी समस्याओं से जूझना पड़ रहा है, जो सनबर्न की वजह से हो रहा है। इनमें शरीर में दाने निकलना, खासकर खुले भाग में, खुजली होना, शरीर में लाल चकत्ते आना है। चर्म रोग विभाग के प्रमुख डॉक्टर एमके सिंह ने बताया कि चर्म रोग विभाग में गर्मी के दिनों में मरीजों की संख्या बढ़ गई है। हर रोज सनबर्न के लगभग 60 से अधिक मरीज मेकाहारा पहुंच रहे हैं। धूप से एलर्जी की वजह से शरीर में खुजली, दाने, इंफेक्शन, लाल चकत्ते आ रहे हैं। ज्यादा खुजली होने से दानों से पानी भी निकल रहा है, जिससे इंफेक्शन तेजी से फैलता है। डॉक्टर एमके सिंह ने बताया कि सनबर्न को आम बोलचाल की भाषा में धूप की एलर्जी के नाम से जाना जाता है। गर्मी की वजह से दाद और खुजली के मरीज भी बढ़े हैं। खासतौर पर गर्मी के दिनों में फंगल इन्फेक्शन की ज्यादा शिकायत होती है। गर्मी ज्यादा होने पर कुछ लोगों को घमौरीया होने की भी शिकायत रहती है।

सुशासन तिहार-भीषण गर्मी में मुख्यमंत्री गांव-गांव घूमकर जनसमस्याओं के ले रहे जानकारी

सुशासन तिहार में ग्रामीण हितग्राहियों को किया गया लाभान्वित

- नगर पालिक निगम कोरबा के सर्वमंगला नगर जोनांतर्गत विकास नगर में आयोजित हुआ निगम का सुशासन तिहार शिविर

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग, सार्वजनिक उपक्रम, आबकारी व श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने आज सोमवार को नगर पालिक निगम कोरबा के सर्वमंगलानगर जोनांतर्गत विकास नगर में आयोजित सुशासन तिहार शिविर को संबोधित करते हुये आज कहा कि प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर जनसमस्याओं के निराकरण हेतु सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है, मुख्यमंत्री श्री साय स्वयं गांव-गांव, गली-गली घूमकर जनसमस्याओं से रूबरू हो रहे हैं, उनका निराकरण करा रहे हैं तथा प्रदेश में सम्पूर्ण सुशासन की सरकार की संकल्पना को साकार कर रहे हैं। यहां उल्लेखनीय है कि राज्य शासन के दिशा निर्देशों के अनुरूप सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ कोरबा जिले एवं नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र में भी सुशासन तिहार मनाया जा रहा है तथा इसके अंतर्गत शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। आज निगम का सातवाँ व अंतिम सुशासन तिहार शिविर सर्वमंगला नगर जोनांतर्गत विकास नगर में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने शिविर में उपस्थिति प्रदान करते हुये महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय तथा पार्षदों व जनप्रतिनिधियों के साथ शिविर में लगाये गये जिले के विभिन्न विभागों व नगर पालिक निगम कोरबा के विभिन्न काउंटरों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर महापौर, सभापति व आयुक्त के साथ ही पार्षद नरेन्द्र देवांगन, भानुमति जायसवाल, रामाधार पटेल, आरती सिंह, प्रेमप्रकाश साहू, बहत्तर सिंह कंवर, मुकुंद सिंह कंवर, रामकुमार साहू, मनीष मिश्रा आदि जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे। इस अवसर पर दिये गये अपने उद्बोधन में उद्योग मंत्री श्री देवांगन

ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विगत 11 वर्षो के अपने कार्यकाल में देश का सम्मान विश्व स्तर पर बढ़ाया है, जिसके लिये हम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति दिल से आभार व्यक्त करते हैं, वहीं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय अपने कार्यो व योजनाओं से लगातार जनकल्याण का कार्य कर रहे हैं। उन्होने कहा कि हमारी सरकार जनहितकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन पर विश्वास रखती है तथा सरकार जो कहती है, वह करती भी है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति तक शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाई जा रही है, उन्हें लाभान्वित किया जा रहा है तथा उनकी बरसों पुरानी समस्याएं दूर हो रही हैं। उन्होने कहा कि नगर निगम कोरबा क्षेत्र में बड़ी सफलता के साथ सुशासन तिहार का आयोजन किा गया है, जिसके लिये मैं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय, सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर तथा निगम के सभी पार्षदों को बधाई देता हूँ। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुये महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है, जगह-जगह जनसमस्या निवारण शिविर लगाये जा रहे हैं तथा विगत 10 वर्ष की समस्याएं दूर की जा रही हैं। उन्होने कहा कि शासन प्रशासन का यह प्रथम लक्ष्य है कि जनताजनार्दन की सभी समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया जाए, केवल कागजी कार्यवाही न हों। महापौर श्रीमती राजपूत ने आगे कहा कि कोरबा के सभी 67 वार्डो में बिना किसी भेदभाव के बड़े पैमाने पर विकास कार्य हो रहे हैं तथा उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन इन कार्यो हेतु लगातार फंड की व्यवस्था करा रहे हैं। इस अवसर पर सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर ने कहा कि यह हमारी सरकार है जो समस्याओं का निराकरण भी बड़े उल्लास के साथ सुशासन तिहार के रूप में करती है, सुशासन तिहार का यह आयोजन जनताजनार्दन को एक अच्छा शासन प्रशासन देने का संकल्प है, वरिष्ठ पार्षद श्री नरेन्द्र देवांगन ने इस मौके पर कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एक मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यो व नीतियों से छत्तीसगढ़ में सुशासन स्थापित कर रहे हैं।

संपादकीय

पेपर लीक मामलों में उच्च स्तर पर जवाबदेही तय करने की जरूरत

अगर खुद एनटीए की ओर से इतनी अहम जिम्मेदारी संभालने वाला कोई शख्स ही प्रश्नपत्र लीक करने का आरोपी हो, तो ऐसे में किसी संस्था की साख की क्या अहमियत रह जाती है? इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि लाखों विद्यार्थी एक भरोसे के साथ जिस परीक्षा में अपना भविष्य बेहतर बनाने के लिए बैठें, वह सिर्फ उनके हित में साबित हो, जिनकी पहुंच उसके प्रश्नपत्र तक हो।देश भर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा यानी नीट-यूजी को सबसे अच्छे प्रबंधन के तहत संचालित करने का दावा किया जाता रहा है। मगर पिछले कुछ वर्षों में इसमें जिस स्तर की गड़बड़ियां सामने आई हैं, उसमें यह सवाल उठा है कि हर बार कार्रवाई के तौर पर कुछ औपचारिक और दिखावे के कदम उठा कर क्या परीक्षा के प्रश्नपत्र बाहर आने की घटनाओं पर काबू पाया जा सकता है?यह इस वर्ष फिर साबित हुआ है कि पहले की घटनाओं से कोई सबक नहीं लिया गया और ऐसे जरूरी कदम नहीं उठाए गए, जिससे इस परीक्षा की पारदर्शिता और शुचिता सुनिश्चित हो। नतीजतन, इस महीने के शुरू में आयोजित नीट के प्रश्नपत्र लीक होने की खबर आई। फिर मामले के तूल पकड़ने के बाद परीक्षा को रद्द कर देना ही सबसे आखिरी उपाय माना गया, जिसकी वजह से करीब बाईस लाख विद्यार्थियों का भविष्य फिलहाल अधर में लटक गया।सवाल है कि इस अफसोसनाक स्थिति के लिए मुख्य जिम्मेदारी किसकी बनती है। जो राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी यानी एनटीए सबसे बेहतर व्यवस्था के तहत परीक्षाओं के आयोजन का भरोसा देती रही है, क्या नीट-यूजी में प्रश्नपत्र लीक होने सहित अन्य गड़बड़ियों की निरंतरता कायम रहने की स्थिति में अब भी वह अपनी साख और प्रतिष्ठा के बने रहने का दावा कर सकती है?प्रश्नपत्र लीक होने के तथ्य सामने आने, उसके राजस्थान के कई कोचिंग संस्थानों में पहुंचने और मोटी रकम लेकर विद्यार्थियों को बेचने की खबरों के बाद सरकार ने मामले की विस्तृत जांच की जिम्मेदारी सीबीआइ को सौंपी। उसके बाद से अब तक कई गिरफ्तारियां हो चुकी हैं, जिसमें नीट परीक्षा प्रक्रिया से जुड़ी एनटीए की एक विशेषज्ञ भी शामिल हैं।अगर खुद एनटीए की ओर से इतनी अहम जिम्मेदारी संभालने वाला कोई शख्स ही प्रश्नपत्र लीक करने का आरोपी हो, तो ऐसे में किसी संस्था की साख की क्या अहमियत रह जाती है?गौरतलब है कि इस तरह की गड़बड़ियों पर काबू पाने के लिए राधाकृष्णन समिति ने अपनी रिपोर्ट में एनटीए में ढांचागत सुधार की सिफारिश की थी। इसके अलावा, संसद में परीक्षाओं के संदर्भ में संगठित तौर पर पेपर लीक जैसी किसी गड़बड़ी के लिए दस वर्ष की कैद के प्रावधान वाला कानून पारित किया गया। साथ ही अन्य सभी कमियों को दुरुस्त करने के मद्देनजर कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले सीसीटीवी कैमरों सहित आधुनिक तकनीक से लैस बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई।इस सबके बावजूद अगर नीट-यूजी का प्रश्नपत्र लीक हो जाता है और यहां तक कि परीक्षा रद्द करने की नौबत आती है, तो यह किसकी नाकामी है? अब तक जो गिरफ्तारियां हुई हैं, क्या इस व्यापक गड़बड़ी का दायरा वैसे ही निचले स्तर के आरोपियों तक सिमटा हुआ है? ऐसा नहीं है कि नीट परीक्षा के आयोजन में यह कोई पहला मामला सामने आया है।

फिर कैसे मिले सुर मेरा-तुम्हारा

राहुल गांधी का पश्चिम बंगाल में बीजेपी की बढ़त के लिए ममता को खुलेआम जिम्मेदार ठहराना एक तरह से तृणमूल की ताबूत का कील ही साबित हुआ। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि विपक्षी एकता का विचार सिरे से परवान चढ़ सकता है ? अतीत में एकता को लेकर जिस तरह विपक्षी खेमे में एक-दूसरे को शह और मात देने का खेल चला है, उससे क्या मुकम्मल एकता की उम्मीद बचती है? 2024 के आम चुनावों के पहले विपक्षी राजनीति को एक मंच पर लाने और भाजपा विरोधी मोर्चा बनाने की कोशिश तो हुई, लेकिन आपसी टकराव और वर्चस्व के चलते यह हकीकत नहीं बन पाया। 23 जून 2023 को पटना में बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुआई में विपक्षी क्षत्रपों की बैठक में इंडिया ब्लॉक बनाने का फैसला तो हुआ, लेकिन नेतृत्व के मुद्दे पर एक राय नहीं बन पाई। नीतीश कुमार ने खुलकर भले ही कभी नहीं कहा, लेकिन उनकी चाहत थी कि विपक्षी गठबंधन का संयोजक उन्हें बनाया जाय।

(उमेश चतुर्वेदी)

ममता को राजनीति में पहला बड़ा ब्रेक बेशक राजीव गांधी ने दिया, लेकिन वाममोर्चा के साथ राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेसी सहयोग ने उन्हें बाद के दिनों में गांधी-नेहरू परिवार से दूर कर दिया। हालिया हार के बावजूद अपनी संघर्षशीलता के चलते ममता विपक्षी राजनीति का अब भी बड़ा चेहरा हैं।

विधानसभा चुनावों में बड़े विपक्षी चेहरों की बड़ी नाकामी से विपक्षी खेमे में खलबली मच गई है। बंगाल की शेरनी कही जाने वाली ममता बनर्जी की हार ने विपक्षी खेमे के उन दलों के माथे पर पसीने की बूंदें उभर आई हैं, जो इन चुनावों से बेपरवाह थे। केरल की गठबंधन सरकार में वापसी की वजह से कांग्रेस थोड़ी राहत में भले ही हो, लेकिन ज्यादातर क्षेत्रीय दलों को अपने अस्तित्व पर खतरा नजर आने लगा है। तमिलनाडु में सत्ता की चाहत में विपक्षी गठबंधन टूट भी चुका है। कांग्रेस के हाथ ने डीएमके का बरसों पुराना साथ छोड़ नवेली टीवीके का दामन थाम लिया है। दूसरी तरफ धांधली का आरोप लगाने के साथ ही ममता बनर्जी को विपक्षी एकता, खासकर इंडिया ब्लॉक की याद आने लगी है। अब उन्हें विपक्षी एकता मजबूत करने की याद भी आने लगी हैं।

दिलचस्प यह है कि अतीत में इंडिया ब्लॉक की एकता से बेपरवाह रहीं ममता को अब उसी की बहुत याद आने लगी है। वैसे विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस की ओर से भी कम गलतियां नहीं हुई हैं। राहुल गांधी का पश्चिम बंगाल में बीजेपी की बढ़त के लिए ममता को खुलेआम जिम्मेदार ठहराना एक तरह से तृणमूल की ताबूत का कील ही साबित हुआ। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि विपक्षी एकता का विचार सिरे से परवान चढ़ सकता है ? अतीत में एकता को लेकर जिस तरह विपक्षी खेमे में एक-दूसरे को शह और मात देने का खेल चला है, उससे क्या मुकम्मल एकता की उम्मीद बचती है? 2024 के आम चुनावों के पहले विपक्षी राजनीति को एक मंच पर लाने और भाजपा विरोधी मोर्चा बनाने की कोशिश तो हुई, लेकिन आपसी टकराव और वर्चस्व के चलते यह हकीकत नहीं बन पाया। 23 जून 2023 को पटना में बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुआई में विपक्षी क्षत्रपों की बैठक में इंडिया ब्लॉक बनाने का फैसला तो हुआ,लेकिन नेतृत्व के मुद्दे पर एक राय नहीं बन पाई। नीतीश कुमार ने खुलकर भले ही कभी नहीं कहा, लेकिन उनकी चाहत थी कि विपक्षी गठबंधन का संयोजक उन्हें बनाया जाय।

लेकिन कांग्रेसी आलाकमान की वजह से ऐसा नहीं हो पाया। दरअसल कांग्रेस विपक्षी राजनीति की लगाम खुद के हाथ में ही रखना चाहती है। नीतीश कुमार, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और एमके स्टालिन का साथ तो उसे चाहिए, लेकिन इनमें से किसी का भी नेतृत्व उसे गवारा नहीं। अपने पहले परिवार की पूरी स्वीकार्यता भले ही ना हो, लेकिन अगुआई कांग्रेस को ही चाहिए। यही वजह है कि विपक्षी राजनीति के सबसे ज्यादा स्वीकार्य चेहरा रहे नीतीश कुमार ने निराशा में उसी मोदी का हाथ थाम लिया, जिनसे वे दूर हो चुके थे। इसके बाद का इतिहास सबको पता है।

ममता को राजनीति में पहला बड़ा ब्रेक बेशक राजीव गांधी ने दिया, लेकिन वाममोर्चा

के साथ राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेसी सहयोग ने उन्हें बाद के दिनों में गांधी-नेहरू परिवार से दूर कर दिया। हालिया हार के बावजूद अपनी संघर्षशीलता के चलते ममता विपक्षी राजनीति का अब भी बड़ा चेहरा हैं। उनकी अपनी छवि अक्सर राहुल गांधी पर भी भारी पड़ती है। इंडिया ब्लॉक के विचार के वक्त पूर्व कांग्रेसी होने के नाते ममता को पता था कि कांग्रेस अपने हाथ में नेतृत्व बनाए रखने के लिए हर मुमकिन कोशिश करेगी, इसीलिए उन्होंने ही नीतीश कुमार और लालू यादव को पहली बैठक पटना में कराने का सुझाव दिया था। बाद के दिनों में कांग्रेस ने जैसी चाल चली, उससे विपक्षी एकता का राग बेसुरा हो गया। जिसका नतीजा लोकसभा चुनाव नतीजों में दिखा भी। विपक्ष को उसी वक्त चेतना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। असर यह हुआ कि हरियाणा, महाराष्ट्र और बिहार के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने बाजी मार ली। बाकी कसर बीते विधानसभा चुनावों ने पूरी कर दी है।

गौर करने की बात है कि जब भी सत्ता पक्ष के उफान में विपक्ष बह जाता है, उसकी एकता की छटपटाहट बढ़ जाती है। ज्यादातर यह अस्तित्व संकट टालने का यह फौरी उपाय होता है। तब वह हार के बाद वोटों के गुणा-गणित में जुट जाता है। फिर उसे इलहाम होता है कि अगर वह एक रहता तो वह भारी पड़ता। 1962 के आम चुनावों में नेहरू को फूलपुर की सीट पर सीधी चुनौती में हार मिलने के बाद लोहिया को भी कुछ ऐसा ही लगा। तब भारी उत्सुकता और उत्साह के बावजूद लोहिया हार गए थे। इसके बाद उन्होंने गैर कांग्रेसवाद का विचार दिया। तब कांग्रेस को 44 प्रतिशत से कुछ ज्यादा वोट मिले थे। लोहिया को लगा कि विरोध में पड़े 56 प्रतिशत वोटों को अगर एक किया जाता तो नतीजे कुछ और होते। गैर कांग्रेसवाद के बैनर के तले उन्होंने 1963 के उपचुनावों और 1967 के आम चुनावों में इसे आजमाया। इसका असर यह हुआ कि आठ राज्यों से कांग्रेस की विदाई हो गई। तब से सत्ता में आने वाली पार्टी के खिलाफ बाकी विपक्ष की एकता के सुर उठने की परंपरा बन गई है। कभी यह कांग्रेस के खिलाफ होता था, जिसमें वाममोर्चा और जनसंघ- बीजेपी भी शामिल रहते थे, अब यह भाजपा के खिलाफ हो रहा है।

प. बगाल के बीते विधानसभा चुनाव में ममता को जहां करीब 42 प्रतिशत वोट मिला है, वहीं बीजेपी को करीब 46 प्रतिशत। कांग्रेस को 2.97 और वाममोर्चे को 4.45 प्रतिशत वोट मिले हैं। गैर बीजेपी वोटों को मिला दें तो यह आंकड़ा 49 प्रतिशत से ज्यादा हो जाता है। चुनावी राजनीति में सात प्रतिशत का अंतर बड़ा होता है। अब विपक्षी खेमे को लग रहा है कि अगर वे एक होते तो बीजेपी को ऐसी जीत नहीं मिलती। वैसे चुनावी गणित सामान्य गणित की तरह नहीं होता। 2018 के विधानसभा चुनाव में मध्य प्रदेश में कांग्रेस से बीजेपी को पांच लाख से ज्यादा वोट मिले थे, लेकिन सीटों के मामले में वह पिछड़ गई थी। चुनावी मैदान में जब सिर्फ दो खेमे होते हैं, तब मतदाताओं के बीच लंबवत ध्रुवीकरण हो जाता है। तब बिखराव वाले आंकड़े भी बदल जाते हैं। 2014 के संसदीय चुनाव में उत्तर प्रदेश में ऐसा साफ दिखा, जब बीजेपी सब पर भारी रही।

संसदीय चुनाव में सफलता के लिहाज से देखें तो कांग्रेस की 99 सीटों के बाद 37 सीटों के साथ समाजवादी पार्टी विपक्ष का दूसरा बड़ा दल है। तीसरे नंबर पर 29 सीटों के साथ ममता ही हैं। इंडिया ब्लॉक की पहली बैठक के पीछे ममता का भी विचार था, फिर भी ना तो लोकसभा और ना ही विधानसभा चुनाव में उन्होंने कांग्रेस या ब्लॉक के दूसरे दलों को तवज्जो दिया। तमिलनाडु में डीएमके के साथ कांग्रेस की खींचतान जारी रही। विपक्ष के किसी भी दल ने एकता की कीमत पर त्याग स्वीकार नहीं किया। विपक्षी खेमे का संकट यह है कि वह अपने प्रभाव वाले क्षेत्रों में सहयोगियों से हिस्सेदारी बांटना ही नहीं चाहता।

मजबूत एकता के लिए विपक्ष के पास राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य साफ छवि वाला चेहरा होना जरूरी है। लेकिन विपक्ष के पास ऐसा चेहरा है भी नहीं। ममता बड़ी नेता तो हैं, लेकिन उनकी तुनकमिजाजी उन्हें सर्वमान्य चेहरा मानने के राह की बड़ी बाधा है। राहुल मोदी-शाह की जोड़ी को चाहे जिस अंदाज में चुनौती दें, मोदी विरोधी बौद्धिकों को उनका यह अंदाज चाहे जितना भी पसंद हो, लेकिन आमजन को उनमें कई बार बचकानापन नजर आता है तो कई मर्तबा प्रहसन। स्टालिन चाहे जितनी अच्छी तमिल बोलें, लेकिन राष्ट्रीय स्तर स्वीकार्यता के लिए वे अयोग्य हैं। इसी तरह केजरीवाल के पास बड़ा आधार नहीं है। रही बात अखिलेश यादव की तो, वे भी जमीनी राजनीति के बजाय बयानों के गुब्बारे उड़ाने के उस्ताद होते गए हैं।

आपसी अहं के टकराव के चलते नीतीश विपक्षी खेमा छोड़ चुके हैं। दूसरी बड़ी नेता ममता को चुनावी मैदान में करारी शिकस्त मिल गई है। अखिलेश को भी अगले साल उत्तर प्रदेश के सियासी मैदान में बीजेपी से दो-दो हाथ करना है। बीजेपी की कोशिश उन्हें तीसरी बार शिकस्त देने की होगी। अगर वह ऐसा करने में कामयाब रही तो उसके सामने दूर-दूर तक कोई चुनौती नहीं होगी। ऐसे में विपक्षी खेमे का संकट बड़ा है। अतीत के विपक्षी व्यवहार से नहीं लगता कि शायद ही भविष्य में कोई मजबूत मोर्चा बन सके। खुलकर विपक्षी खेमा भले ही ना कहे, लेकिन अंदर ही अंदर वह जरूर गुनगुना रहा है, कैसे मिले सुर हमारा-तुम्हारा....लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आवारा कुत्तों की भयावह समस्या पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला- लेकिन जिम्मेदारी तय किए बिना कैसे बनेगी बात?

(संतोष कुमार पाठक)

लेकिन क्या इससे देश के आम नागरिकों को खुश होना चाहिए? क्या इससे देश में आवारा कुत्तों से परेशान लोगों - खासकर बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को राहत मिल पाएगी? यह इतना भी आसान नहीं है। जब तक किसी खास अधिकारी की जिम्मेदारी तय नहीं की जाएगी तब तक इस समस्या का निदान नहीं हो सकता है।

देश की सर्वोच्च अदालत ने आवारा कुत्तों की नसबंदी और दूसरी जगह भेजने के अपने पहले के आदेश को वापस लेने के लिए दायर की गई सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने डॉग लवर्स की याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा कि वह अदालत देश भर में कुत्ता काटने की घटनाओं की अनदेखी नहीं कर सकती है। इसका सबसे ज्यादा शिकार बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सख्त शब्दों में अपने पहले के आदेश की फिर से याद दिलाते हुए कहा कि सड़क के कुत्तों पर 7 नवंबर, 2025 को दिया गया उनका आदेश ही लागू होगा। इन आदेशों को लागू करने वाले अधिकारियों को कानूनी सुरक्षा दी जाए और जो अधिकारी इनका पालन न करे, उन पर विभागीय और अवमानना की कार्यवाही की जा सकती है।

लेकिन क्या इससे देश के आम नागरिकों को खुश होना चाहिए? क्या इससे देश में आवारा कुत्तों से परेशान लोगों - खासकर बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को राहत मिल पाएगी? यह इतना भी आसान नहीं है। जब तक किसी खास अधिकारी की जिम्मेदारी तय नहीं की जाएगी तब तक इस समस्या का निदान नहीं हो सकता है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद व्यवहारिक स्थिति तो यही है कि ज्यादातर राज्य सरकारें और जिला प्रशासन इसे गंभीरता से लेती नजर नहीं आ रही है। इसलिए इस आदेश को लागू करने के लिए हर जिले में जिलाधिकारी यानी सीधे डीएम को ही जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के नवंबर में दिए गए आदेश के 6 महीने बीत जाने के बावजूद हालत यह है कि देश की राजधानी दिल्ली का नगर निगम - एमसीडी कुत्तों को रखने के लिए एक डॉग सेंटर तक तैयार नहीं कर पाई है। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की सरकार ने यह आदेश जारी कर दिया है कि जो कुत्ता एक से अधिक बार लोगों को काट चुका हो, उसे सार्वजनिक स्थानों पर नहीं छोड़ा जाएगा लेकिन दिल्ली से सटे गाजियाबाद समेत राज्य के कई जिलों में भी अभी भी जरूरी डॉग सेंटर का निर्माण फाइल्स में ही अटका पड़ा है। क्या इस तरह की लापरवाही और लेट-लतीफी के लिए जिलों के डीएम को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए?

समय आ गया है कि हर जिले, हर राज्य और सबसे ऊपर सीधे सुप्रीम कोर्ट को अपनी निगरानी में एक टोल फ्री नंबर जारी करना चाहिए जिस पर कॉल करने वाले हर व्यक्ति को तुरंत उनकी शिकायत का एक नंबर भी अलॉट कर देना चाहिए। अगर सुप्रीम कोर्ट चाहे तो टोल फ्री नंबर पर बैठने वाले अदालत के स्टॉफ का खर्चा भी लोगों से ले सकता है और इसके लिए प्रति कॉल 3 से 5 रुपए की राशि भी फिक्स की जा सकती है लेकिन हर कॉल का उचित फॉलोअप सुनिश्चित करना बहुत जरूरी है। इस काम को युद्धस्तर पर करने की जरूरत है क्योंकि भारत में आवारा कुत्तों के काटने की समस्या दिन-प्रतिदिन भयावह होती जा रही है। वैसे तो देश में कुत्तों द्वारा काटने के सारे आंकड़े दर्ज नहीं करवाए जाते हैं लेकिन जो भी आंकड़े दर्ज होते हैं, उसके मुताबिक वर्ष 2024 में हर मिनट पर डॉग बाइट के 7, हर घंटे में 430, रोजाना 10,321 , हर महीने 3,09,643 और वर्ष भर में 37,15,713 मामले दर्ज किए गए हैं। यानी सरकार भी यह मान रही है कि एक साल में 37 लाख से भी ज्यादा लोग कुत्तों के काटने का शिकार बनते हैं। वहीं वर्ष 2025 में कुत्तों के काटने की संख्या 47 लाख से भी ज्यादा बताई जा रही है।

सरकारी रिपोर्ट की माने तो, भारत में हर साल रेबीज के कारण 300 लोगों की मौत होती है। लेकिन डब्ल्यूएचओ के अनुसार भारत में हर साल रेबीज के कारण 18 से 20 हजार लोगों की मौत हो जाती है। यहां इस बात का ध्यान रखना भी जरूरी है कि इस तरह के ज्यादातर मामले आंकड़ों में दर्ज ही नहीं किए जाते हैं। वर्ष 2019 में हुई पशु जनगणना में, देश में आवारा कुत्तों की संख्या 1.53 करोड़ बताई गई थी। लेकिन एक मोटे अनुमान के तौर पर यह माना जाता है कि देश में वर्तमान में आवारा कुत्तों की संख्या 6 से 7 करोड़ के लगभग हो गई है।

यह समस्या हर गुजरते दिन के साथ भयावह होती जा रही है। मोहल्लें, कॉलोनियों, सोसायटियों यहां तक कि पार्कों में भी इन आवारा कुत्तों ने कब्जा जमा रखा है। लगभग हर मोहल्ले/कॉलोनी और सोसायटी में आपको ऐसे लोग मिल जाएंगे जो इन्हें अपने घर ले जाकर खाना नहीं खिलाएंगे, बल्कि उनकी जिद होगी कि वो इन्हें बाहर ही खाना खिलाएंगे। रही-सही कसर देश के टीवी चैनलों पर आने वाले तथाकथित ज्योतिषियों ने पूरी कर दी है, जो खास रंग के कुत्तों को खाना खिलाने पर किस्मत बदल जाने यानी अच्छे दिन आने का सपना दिखाकर इस समस्या को और ज्यादा भयावह बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

पीएम की यात्रा से पूरी दुनिया में मची हलचल, भारत की ताकत देखकर दंग रह गए यूरोपीय देश

(नीरज कुमार दुबे)

प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस यात्रा को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भारत और नॉर्वे की साझेदारी अब स्वच्छ ऊर्जा, हरित विकास, हरित नौवहन और समुद्री अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगी। उन्होंने इसे दोनों देशों के भविष्य के लिए निर्णायक कदम बताया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नॉर्वे यात्रा ने भारत और नॉर्वे के संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। ओस्लो में दोनों देशों ने अपने रिश्तों को हरित रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाने की घोषणा की। यह कदम स्वच्छ ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकी, समुद्री अर्थव्यवस्था, अनुसंधान, निवेश और व्यापार के क्षेत्रों में दीर्घकालिक सहयोग का आधार भी माना जा रहा है। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार इस नई साझेदारी से जलवायु परिवर्तन, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित आपूर्ति शृंखला, समुद्री अर्थव्यवस्था और टिकाऊ विकास के क्षेत्रों में सहयोग को रणनीतिक दिशा मिलेगी। नॉर्वे के प्रधानमंत्री योनास गार स्तोरे ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ वार्ता के बाद कहा कि भारत और नॉर्वे के बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन दोनों देशों को उन ताकतों के खिलाफ साथ खड़ा होना होगा जो कूटनीति, व्यापार और प्रौद्योगिकी का हथियार की तरह उपयोग करती हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस यात्रा को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भारत और नॉर्वे की साझेदारी अब स्वच्छ ऊर्जा, हरित विकास, हरित नौवहन और समुद्री अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगी। उन्होंने इसे दोनों देशों के भविष्य के लिए निर्णायक कदम बताया।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी की नॉर्वे यात्रा इसलिए भी ऐतिहासिक मानी जा रही है क्योंकि चार दशक से अधिक समय बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने नॉर्वे का दौरा किया है। ऐसे समय में जब भारत पारंपरिक साझेदारों पर निर्भरता कम कर नए आर्थिक सहयोगियों की तलाश कर रहा है, नॉर्वे एक महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में उभर रहा है। नॉर्वे का सरकारी पेंशन कोष दुनिया के सबसे बड़े संप्रभु

निवेश कोषों में गिना जाता है और पिछले कुछ वर्षों में उसने भारतीय बाजारों में निवेश लगातार बढ़ाया है।

आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2016 में भारत में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के मामले में नॉर्वे का हिस्सा 1.95 प्रतिशत था, जो 2025 तक बढ़कर 3.87 प्रतिशत हो गया। महामारी के बाद प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में भी तेजी आई है। भारत को हाल के वर्षों में नॉर्वे से लगभग 693 मिलियन डॉलर का निवेश प्राप्त हुआ है। व्यापार के स्तर पर भी संबंध मजबूत हो रहे हैं। वित्त वर्ष 2026 में भारत का नॉर्वे को निर्यात बढ़कर लगभग 472 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जबकि आयात लगभग 635 मिलियन डॉलर रहा।

प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धियों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग को नया आयाम देना भी शामिल है। वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद और वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग ने नॉर्वे में पांच महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इन समझौतों का उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा, समुद्री ऊर्जा, अपतटीय पवन ऊर्जा, कार्बन नियंत्रण, जैव आधारित प्रौद्योगिकी और भू विज्ञान के क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना है। हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सोमवार को नॉर्वे के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द रॉयल नॉर्वेजियन ऑर्डर ऑफ मेरिट' से सम्मानित किया गया। मोदी को यह सम्मान भारत-नॉर्वे संबंधों को प्रगाढ़ बनाने में उनके योगदान और दूरदर्शी नेतृत्व के लिए दिया गया। यह प्रधानमंत्री को मिला 32वां विदेशी सम्मान है।

इसके अलावा, भारत और नॉर्वे के अनुसंधान संस्थानों के बीच संयुक्त कार्यशालाओं, अनुसंधान परियोजनाओं और वैज्ञानिक आदान प्रदान की भी योजना बनाई गई है। विशेष रूप से समुद्री ऊर्जा और अपतटीय पवन ऊर्जा पर सहयोग भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को मजबूत करेगा और कार्बन तटस्थता के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेगा। इसके अतिरिक्त सतत विकास, चक्रीय अर्थव्यवस्था, समुद्री विज्ञान, स्वास्थ्य और आधारभूत ढांचा प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भी साझेदारी बढ़ाने पर सहमति बनी है।

प्रधानमंत्री मोदी की नॉर्डिक देशों के नेताओं के साथ बैठकें भी इस दौरे का महत्वपूर्ण हिस्सा रहीं। उन्होंने आइसलैंड की प्रधानमंत्री क्रिस्ट्रन फ्रॉस्टडॉटिर, फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ओर्पो और डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन के साथ अलग अलग वार्ता की। इन बैठकों में व्यापार, नवीकरणीय ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और निवेश सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा हुई।

हम आपको बता दें कि नॉर्डिक देश उत्तरी यूरोप और उत्तरी अटलांटिक का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं, जिनमें डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे और स्वीडन शामिल हैं। इन पांच देशों की संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद क्षमता 1.9 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है और ये नवीकरणीय ऊर्जा तथा सतत समुद्री शासन के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व रखते हैं। साथ ही ओस्लो में आयोजित तीसरा भारत नॉर्डिक शिखर सम्मेलन भारत और इन देशों के बीच प्रौद्योगिकी, हरित परिवर्तन, रक्षा, अंतरिक्ष, समुद्री अर्थव्यवस्था और आर्कटिक सहयोग को नई दिशा देने वाला साबित हुआ।

प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर भी चर्चा तेज हुई है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फॉन डेर लेयेन ने भारत और यूरोपीय संघ के बीच निवेश समझौते को सहयोग की अधूरी कड़ी बताया। माना जा रहा है कि भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के बीच हाल में हुए व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते से भारत में एक लाख करोड़ डॉलर तक का निवेश आ सकता है और अगले पंद्रह वर्षों में दस लाख रोजगार सृजित हो सकते हैं।

हम आपको बता दें कि फिनलैंड, आइसलैंड और डेनमार्क के साथ भारत के आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध भी लगातार मजबूत हो रहे हैं। फिनलैंड की सौ से अधिक कंपनियां भारत में कारोबार कर रही हैं, जबकि डेनमार्क की कई कंपनियों ने मेक इन इंडिया अभियान के तहत नए कारखाने स्थापित किए हैं। आइसलैंड में भारतीय संस्कृति, योग, संगीत और भारतीय भोजन के प्रति विशेष रुचि देखी जा रही है।

बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी की नॉर्वे और नॉर्डिक देशों की यह यात्रा केवल औपचारिक कूटनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि हरित विकास, निवेश, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और वैश्विक आर्थिक सहयोग की नई संभावनाओं का संकेत मानी जा रही है। भारत और नॉर्डिक देशों के बीच बढ़ती निकटता आने वाले वर्षों में वैश्विक हरित अर्थव्यवस्था और रणनीतिक साझेदारी के नए मॉडल के रूप में उभर सकती है।

जैन साध्वी हादसे की एसआईटी जांच की मांग केशकाल जैन समाज ने सौंपा ज्ञापन

केशकाल। रीवा में जैन साध्वी आर्यिका माताजी के साथ हुई सड़क दुर्घटना और उसमें साध्वी संघ की पूज्य आर्यिकाओं के निधन के मामले को लेकर सोमवार को केशकाल जैन समाज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम अनुविभागीय दंडाधिकारी (SDM) केशकाल को ज्ञापन सौंपा। समाज के लोगों ने घटना की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने के साथ-साथ विहाररत जैन साधु-संतों की सुरक्षा के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू करने की मांग की है। समाज ने मामले की स्वृत्र अथवा न्यायिक जांच कराने, संबंधित CCTV फुटेज और डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखने तथा दोषियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

इस ज्ञापन में विहार मार्गों पर प्रशासनिक सहयोग, संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस सहायता, ट्रैफिक नियंत्रण संकेतक तथा हाईवे और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू करने की मांग की गई है। साथ ही केंद्र सरकार से 'राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति' बनाने और पैदल विहार करने वाले संतों के लिए सुरक्षा SOP एवं विशेष गाइडलाइन जारी करने की भी मांग रखी गई।

समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि जैन समाज हमेशा शांति, कानून और संवैधानिक मर्यादाओं में विश्वास रखता है। उनका उद्देश्य किसी प्रकार का तनाव उत्पन्न करना नहीं, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकना और तपस्वी संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इस दौरान जैन संघ अध्यक्ष सुरेश कटारिया, सुभाष कटारिया, शशि जैन, पुखराज बोहरा, धनराज मालु, पुखराज गोलछा, संतोष कटारिया, नरेंद्र तातेड़, सुनील तातेड़ समेत जैन संघ एवं जिनशासन महिला मंडल के पदाधिकारी व समाज के अन्य लोग मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ दंतेवाडा का जिलास्तरीय 'स्नेह मिलन समारोह संपन्न'

किरंदूल। प्रकृति की सुंदर गोद में बसे लौह नगरी किरंदुल से मात्र 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित मलांगिर जलप्रपात में रविवार छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला दंतेवाड़ा का वार्षिक स्नेह मिलन समारोह शानदार तरीके से संपन्न हुआ। घने जंगलों और पहाड़ों के बीच कल कल बहते इस खूबसूरत झरने के किनारे जिले भर के पत्रकारों ने मिलकर सुकून के पल बिताए। इस सफल आयोजन के पीछे संघ के जिलाध्यक्ष आज़ाद सक्सेना एवं अन्य सभी पत्रकारों के एकजुटता और कुशल नेतृत्व रहा। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सभी पत्रकारो के बीच आपसी आत्मीयता, भाईचारा और संगठन की एकता को मजबूत करना था। सुमधुर संगीत, आपसी बातचीत और प्रकृति की छांव में बने स्वादिष्ट वनभोज ने इस दिन को यादगार बना दिया। कार्यक्रम में राशन,पानी, बर्तन से लेकर संगीत तक की सभी व्यवस्थाएं इतनी सटीक थीं कि हर किसी ने एक दूसरे के प्रयासों की दिल से सराहना की। जिलाध्यक्ष आज़ाद सक्सेना ने कहा 'दिन-रात खबरों की भागदौड़ में रहने वाले हमारे पत्रकारो के लिए ऐसा सुकून के पल भी जरूरी है। इस दौरान उपस्थित पत्रकारों को उन्होंने आश्वासन दिया कि छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संगठन हमेशा पत्रकारों के हित और उनकी एकजुटता के लिए खड़ा रहेगा।'

लखन लाल ने किया बालको कूलिंग टॉवर से रिस्दा पुल तक के नाली निर्माण का शिलान्यास

बालकोनगर। मंत्री लखन लाल देवांगन ने शांतिनगर क्षेत्र में सड़क किनारे नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस अवसर पर कोरबा की महापौर संजू देवी राजपूत विशेष रूप से उपस्थित रहीं। यह पहल क्षेत्रीय नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण तथा शांतिनगर क्षेत्र में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह परियोजना बालको कूलिंग टॉवर से रिस्दा पुल तक लगभग 2.9 किलोमीटर लंबाई में विकसित की जाएगी।

लगभग 5 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना में 2.5 करोड़ रुपये जिला खनिज न्यास निधि (डीएमएफ) तथा 2.5 करोड़ रुपये बालको की सीएसआर निधि से प्राप्त हुए हैं। निविदा प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत अब निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। इस नाली निर्माण परियोजना के पूर्ण होने से शांतिनगर क्षेत्र में जलभराव की समस्या का समाधान होगा। इससे क्षेत्रवासियों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी तथा बरसात के मौसम में होने वाली असुविधाओं से राहत प्राप्त होगी। शिलान्यास अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने कहा कि यह परियोजना स्थानीय नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है और इससे क्षेत्र के समग्र विकास को गति मिलेगी।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन के सहयोग से संचालित यह नाली निर्माण परियोजना सामुदायिक आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने, जीवन स्तर में सुधार लाने और दीर्घकालिक विकास को गति देने के प्रति बालको की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। समुदाय के साथ हमारी व्यापक सहभागिता से वित्तीय वर्ष 2026 में 1.8 लाख से अधिक लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। हम अपने समुदाय के विश्वास के लिए आभारी हैं, जिसने हमें सतत सकारात्मक परिवर्तन सुनिश्चित करने में सक्षम बनाया है। जिला प्रशासन और बालको की साझेदारी कोरबा क्षेत्र में आधारभूत संरचना विकास को लगातार नई गति दे रही है। हाल ही में बजरंग चौक से रिस्दा पुल (परसाभाठा मार्ग) के उन्नयन, पुल मरम्मत और आधुनिक सड़क निर्माण की दिशा में शुरू हुई पहल के क्रम में यह नाली निर्माण परियोजना क्षेत्रीय विकास की अगली महत्वपूर्ण कड़ी है। शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना और आजीविका जैसे क्षेत्रों में बालको की निरंतर पहल स्थानीय समुदायों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का प्रयास कर रही है। यह परियोजना क्षेत्रीय विकास को नई गति देते हुए स्थानीय समुदाय के जीवन स्तर में सुधार के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सड़क दुर्घटनाएं नहीं हों, इसके लिए हर जरूरी कदम उठाएं : मुख्य सचिव

ब्लैक स्पॉट की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश, प्रदेश में 150 स्थानों पर लगे ईव्ही चार्जिंग स्टेशन

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील ने विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए सभी समुचित और ठोस कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। मुख्य सचिव आज मंत्रालय में सड़क सुरक्षा को लेकर आयोजित बैठक में अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। मुख्य सचिव ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के लिए चिन्हित ब्लैक स्पॉट की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और वहां आवश्यक सुधार कार्य तत्काल किए जाएं। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय से सड़कों की स्थिति सुधारने के निर्देश दिए ताकि हादसों की आशंका खत्म हो सके। बैठक में राज्य सड़क सुरक्षा कोष, माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा फलोदी एवं रंगा रेड्डी सड़क दुर्घटना मामलों में दिए गए दिशा-निर्देशों के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। साथ ही पीएम राहत योजना और पीएम ई-ड्राइव योजना की प्रगति की जानकारी ली गई। मुख्य सचिव ने सर्वोच्च न्यायालय की कमेटी ऑन रोड सेफ्टी के निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने को कहा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी सड़क दुर्घटना रेस्क्यू से संबंधित एसओपी के क्रियान्वयन की भी समीक्षा की गई।

ईव्ही चार्जिंग स्टेशन बढ़ाने के निर्देश: मुख्य सचिव ने पीएम ई-ड्राइव योजना के अंतर्गत ई-वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन की स्थापना में तेजी लाने को कहा। उन्होंने परिवहन विभाग को निर्धारित स्थलों पर तत्काल ई-चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में अब तक 150 स्थानों पर ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा चुके हैं। इन स्टेशनों पर पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत सब्सिडी भी दी जाती है।

घायलों को मिलेगा कैशलेस इलाज

मुख्य सचिव ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को त्वरित उपचार मिलना सबसे जरूरी है। प्रधानमंत्री राहत योजना के तहत घायलों का अस्पताल में कैशलेस उपचार किया जाता है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, गृह-पुलिस, परिवहन तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि योजना के तहत अब तक 282 सड़क दुर्घटनाओं में घायलों के उपचार के लिए पंजीकरण किया गया है। मुख्य सचिव ने इस योजना के क्रियान्वयन की विस्तार से समीक्षा की और इसे और प्रभावी बनाने को कहा। बैठक में परिवहन विभाग के सचिव एवं आयुक्त एस. प्रकाश, नगरीय प्रशासन विभाग की सचिव आर. शंगीता सहित पुलिस, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, राष्ट्रीय राजमार्ग, लोक निर्माण विभाग और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

देव पूजा के सामूहिक भोज के बाद फैला फूड प्वाइजन एक महिला की मौत, 27 से अधिक ग्रामीण प्रभावित

कोण्डागांव। जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माकड़ी में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक साथ एक दर्जन से अधिक ग्रामीणों को फूड प्वाइजन की शिकायत के बाद उपचार के लिए भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि माकड़ी क्षेत्र अंतर्गत तमरावण्ड गांव में देव पूजा के बाद आयोजित सामूहिक भोज में शामिल ग्रामीण फूड प्वाइजन का शिकार हो गए। इस घटना में एक महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार, तमरावण्ड गांव में शुक्रवार को राम मरकाम के घर देव पूजा के उपरांत सामूहिक भोज का आयोजन किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए थे। भोज के बाद शनिवार शाम रात तक कई लोगों को उल्टी-दस्त और पेट दर्द की शिकायत शुरू हो गई। स्थिति बिगड़ने पर शनिवार शाम से देर रात तक 17 से अधिक पीड़ितों को माकड़ी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। माकड़ी अस्पताल से गंभीर रूप से बीमार रंजिया मरकाम (50) को बीती रात जिला अस्पताल कोण्डागांव रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान सोमवार तड़के उनकी मौत हो गई। जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. प्रेम मंडावी ने बताया कि माकड़ी से अब तक कुल 9 मरीजों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। इनमें एक महिला की मौत हो चुकी है, जबकि अन्य मरीजों का उपचार जारी है। भर्ती मरीजों में महिला और पुरुष दोनों शामिल हैं। इधर मामले की जानकारी मिलते ही मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामखिलावन चतुर्वेदी व खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ देवेश स्वास्थ्य अमले के साथ तमरावण्ड पहुंचे। यहां स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिविर लगाकर पीड़ितों का उपचार किया जा रहा है। तमरावण्ड सरपंच जयप्रकाश नेताम अनुसार फूड प्वाइजन से प्रभावित लोगों की संख्या 27 से अधिक पहुंच गई है, हालांकि स्वास्थ्य विभाग की ओर से आधिकारिक आंकड़े जारी होना अभी बाकी है। विभाग के माध्यम से गांव में अभी भी स्वास्थ्य शिविर संचालित है।

सीसी सड़क पर बनी पुलिया बड़े गड्ढे में तब्दील क्षतिपूर्ति के बजाय जिम्मेदार बेपरवाह

कोंटा। नगर पंचायत कोंटा के वार्ड क्रमांक 07 सीसी सड़क में बनी पुलिया पिछले छह माह से बड़ा गड्ढा में परिवर्तित हो चुकी है। पुलिया की जर्जर हालत के कारण वार्डवासियों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वार्डवासियों का कहना है कि गड्ढा लगातार बढ़ता जा रहा है और पुलिया के भीतर उपयोग की गई सरिया भी बाहर दिखाई देने लगी है, जिससे हादसे का खतरा और बढ़ गया है।

वार्डवासियों के मुताबिक कई लोग इस गड्ढे में गिरकर चोटिल हो चुके हैं तथा एक महिला के पैर टूटने जैसी घटना भी सामने आई है। इस समस्या को लेकर पूर्व में भी समाचार प्रकाशित किए गए थे, लेकिन स्थाई मरम्मत के बजाय केवल गड्ढे के आसपास ईट और पत्थर डालकर व्याकल्पिक व्यवस्था कर औपचारिकता दिखा रहे हैं। वार्डवासियों का आरोप है कि नगर पंचायत के जिम्मेदार अधिकारी सड़क व जर्जर पुलिया की बदहाल स्थिति से अनजान बने हुए हैं। नगर पंचायत मुख्यालय के समीप निर्मित यह सड़क जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के प्रतिदिन आवागमन का मार्ग होने के बावजूद अब तक सुधार कार्य के बजाय केवल ईट पत्थरों से औपचारिकता दिखा रहे हैं। रात के समय अंधेरे में राहगीरों के लिए यह गड्ढा और अधिक खतरनाक साबित हो रहा है।

झम्मन लाल साहू ने कहा

झम्मन लाल साहू ने आनन फानन में जवाब देते हुए कहा है कि ठेकेदार अपने रिश्तेदार की शादी में गए हुए थे, जिसके कारण मरम्मत कार्य नहीं हो सका। सीएमओ ने बताया कि क्षतिग्रस्त पुलिया की क्षतिपूर्ति कल करवाई जाएगी।

सड़क पर चलने वाले वार्डवासियों मौत की खुली न्यौता

25 वर्ष पूर्व निर्मित यह सीसी सड़क अब पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। सड़क की सीमेंट, गिट्टी और ईट बाहर निकलने लगी हैं तथा उसकी मजबूती भी समाप्त होती दिखाई दे रही है। अटल चौक को जोड़ने वाली सड़क पर 3 लाख रुपए की लागत से बनी पुलिया सड़क पर चलने वाले वार्डवासियों मौत की खुली न्यौता दे रही है। छोटी मुंह, बड़ी बात करने का इंतजार कर रहे हैं अधिकारी

आखिर विभाग मरम्मत के बजाय जिम्मेदारी से पल्ला क्यों झाड़ रहा

वार्ड क्रमांक 07 की निवासी अंजली ने कहा कि सड़क पर बनी पुलिया के बड़े गड्ढे की जानकारी मिलते ही सीएमओ स्वयं मौके पर पहुंचे और गड्ढे के चारों ओर ईंट-पत्थर डलवा दिए गए। लेकिन अब तक लोग स्थायी मरम्मत का इंतजार कर रहे हैं। आखिर विभाग मरम्मत के बजाय जिम्मेदारी से पल्ला क्यों झाड़ रहा है और अपनी कार्यप्रणाली पर चुप्पी साधे क्यों बैठा हुआ है।

अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप

सड़क पर बाइक सवार जोमाटी सोनवानी ने नगर पंचायत के जिम्मेदार अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि सड़क पर बनी पुलिया अब बड़े गड्ढे में तब्दील हो चुकी है। यदि समय रहते जिम्मेदारीपूर्वक कार्य किया होता, तो आज यह स्थिति देखने को नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि अधिकारी मूल समस्याओं को नजरअंदाज कर केवल औपचारिक व्यवस्थाओं को प्राथमिकता दे रहे हैं और जिम्मेदारी के मुद्दे पर चुप्पी साधे बैठे हैं।

फास्ट फूड के दौर में तीखुर शरबत और पान रोटी बनी लोगों की पसंद, तीखुर शरबत और पान रोटी के जरिए परंपरा को दे रहीं नया बाजार

लोकल से वोकल: बस्तरिया स्वाद और संस्कृति को नई पहचान दे रहीं सीमा मंडावी

कोण्डागांव। आधुनिकता की अंधी दौड़ और फास्ट फूड के बढ़ते चलन के बीच आज छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल की पारंपरिक जीवनशैली और खानपान को एक नई पहचान मिल रही है। फरसगांव की रहने वाली 45 वर्षीय सीमा मंडावी इस बदलाव का एक बड़ा चेहरा बनकर उभरी हैं। 12वीं तक पढ़ी सीमा अपनी आत्मनिर्भर सोच, शुद्ध पारंपरिक व्यंजनों और प्राकृतिक जीवनशैली के जरिए न सिर्फ बस्तरिया संस्कृति को सहेज रही हैं, बल्कि क्षेत्र की महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत भी बन गई हैं। आज जब लोग पैकेज्ड फूड और बाजार की मिलावटी चीजों की ओर भाग रहे हैं, तब सीमा मंडावी लोगों को बस्तर के पारंपरिक स्वाद और उसकी पौष्टिकता से दोबारा जोड़ रही हैं। उनके पास आने वाले लोग तीखुर शरबत, तीखुर बर्फी, मंड़िया (रागी) पेज और पारंपरिक 'पान रोटी' जैसे शुद्ध देशी स्वादों का आनंद लेते हैं। उनकी बनाई 'पान रोटी' लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय है। इसे बेहद अनूठे और पारंपरिक तरीके से केले के पत्ते में चावल के आटे की परत लगाकर तैयार किया जाता है, जिसके अंदर कद्दूकस किया हुआ नारियल, गुड़ और इलायची भरकर स्टीम किया जाता है। यह व्यंजन बस्तरिया संस्कृति की मिठास को जीवंत रखता है। सीमा कहती है, जीवन में पहले प्रकृति, फिर संस्कृति और उसके बाद शिक्षा का स्थान है। शुद्ध और प्राकृतिक भोजन ही अच्छे स्वास्थ्य की सबसे बड़ी कुंजी है।

गाय एक परिवार के चार लोगों को पालती है – सीमा

सीमा ने बताया कि वर्तमान समय में लोग गाय पालने से हिचकिचाते हैं, लेकिन एक गाय परिवार के चार सदस्यों का पेट पालती है। उन्होंने बताया कि शुद्धता को बनाए रखने के लिए वे बाजार के दूध पर निर्भर नहीं हैं, बल्कि अपने घर में पली देशी गाय के दूध से ही छाछ और लस्सी तैयार करती हैं। स्वाद के साथ-साथ वे स्वच्छता का भी पूरा ध्यान रखती हैं। काम करते समय हमेशा सिर पर स्कार्फ बांधना उनकी इसी व्यावहारिक सोच का हिस्सा है, ताकि खाने में शुद्धता बनी रहे।

अपनी जड़ों से जुड़कर आत्मनिर्भर बन सकते है

जहां गांव में आत्मनिर्भर होने के लिए स्व सहायता महिला समूह व्यवस्था है। वहीं उनका मानना है कि जब व्यक्ति खुद की बनाई चीजों का उपयोग करता है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है। आधुनिक समय में बस्तरिया जीवनशैली, पारंपरिक खानपान और महिला सशक्तिकरण को एक साथ साधकर सीमा मंडावी ने यह साबित कर रही है कि अपनी जड़ों से जुड़कर भी विकास की नई इबारत लिखी जा सकती है।

प्रकृति, संस्कृति और फिर शिक्षा

यह बात सीमा मंडावी अपने जीवन में भी उतार रही हैं। पारंपरिक जीवनशैली को अपनाने के साथ वे शिक्षा को भी बेहद महत्वपूर्ण मानती हैं। वे अपनी दोनों बेटियों को उच्च शिक्षा दिला रही हैं। उनकी बड़ी बेटी हैदराबाद में एमएससी बायोटेक्नोलॉजी की पढ़ाई कर रही है, जबकि छोटी बेटी भिलाई में रहकर नीट परीक्षा की तैयारी कर रही है। सीमा मंडावी का मानना है कि संस्कृति और शिक्षा साथ-साथ चलें, तभी समाज मजबूत बनता है।

संक्षिप्त समाचार

पूर्णिमा मेहता को मिला क्रांतिज्योति सावित्री बाई फुले नेशनल बेस्ट टीचर अवार्ड

बिलासपुर। शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय गोरता (लखनपुर) में पदस्थ पूर्णिमा मेहता को क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले नेशनल बेस्ट टीचर अवार्ड से सम्मानित किया गया यह सम्मान उन्हें बालरक्षक प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शैक्षिक संगोष्ठी एवं पुरस्कार समारोह इंदौर मध्यप्रदेश में दिनांक 20 मई को दिया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप डॉ. योगेन्द्रनाथ शुक्ला वरिष्ठ साहित्यकार लेखक , सत्यनारायण सरवाड़िया अध्यक्ष मध्यप्रदेश अशासकीय शिक्षण परिषद एवं डॉ. बबीता कड़ाकिया अडिशनल डायरेक्टर ईंस्टिट्यूट ऑफ़ लॉ इंदौर रही। पूर्णिमा मेहता को यह सम्मान उनके नवाचारी शिक्षण , बालसंरक्षण ,नशामुक्ति, एवं नारी सशक्तिकरण के लिए कार्य करने के लिए दिया गया इंदौर में चले दो दिवसीय कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी राजगीत , वन्देमातरम् राष्ट्रीय गीत की पूर्ण प्रस्तुति एवं छत्तीसगढ़ महिमा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया देश के 17 राज्यों से आये हुए 150 शिक्षकगण और अतिथियों ने छत्तीसगढ़ियाँ सबले के नारे से उनका सम्मान किया । इनकी इस उपलब्धि पर समस्त अधिकारीगण , ग्रामवासी, शाला के बच्चे एवं परिवार ने अनेकों बधाई दी है ।

जामपाली समपार वार्षिक मरम्मत कार्य हेतु बंद रहेगी

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के अंतर्गत भूपदेवपुर-रॉबर्टसन स्टेशन के मध्य किमी. 608/18-20 पर स्थित मानव सहित समपार संख्या 303 (जामपाली फाटक) को दिनांक 28 मई एवं 29 मई 2026 को सुबह 08 बजे से रात्रि 08 बजे तक वार्षिक मरम्मत कार्य हेतु सड़क यातायात के लिए बंद करने का निर्णय लिया गया है। उक्त समपार पर मरम्मत कार्य के दौरान सड़क यातायात के लिए वैकल्पिक मार्ग नहरपाली समपार फाटक से उपलब्ध है। रेल प्रशासन आम जनता को होने वाली असुविधा के लिए खेद प्रकट करता है एवं सहयोग की आशा करता है ।

तिरुपति-रक्सौल-तिरुपति के मध्य चल रही साप्ताहिक टीओडी स्पेशल ट्रेन का नियमितीकरण

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं बेहतर रेल संपर्क को ध्यान में रखते हुए वर्तमान में संचालित ट्रेन संख्या 07051/07152 तिरुपति-रक्सौल-तिरुपति साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का नियमितकरण किया जा रहा है 7 नियमितीकरण होने के बाद यह गाड़ी नए नंबर 17433/17434 तिरुपति-रक्सौल-तिरुपति साप्ताहिक एक्सप्रेस बन कर चलेगी ट्रेन संख्या 17433 तिरुपति-रक्सौल साप्ताहिक एक्सप्रेस, दिनांक 01 जून 2026 से तिरुपति से प्रत्येक सोमवार को प्रस्थान करेगी। वहीं ट्रेन संख्या 17434 रक्सौल-तिरुपति साप्ताहिक एक्सप्रेस, दिनांक 04 जून 2026 से रक्सौल से प्रत्येक गुरुवार को संचालित होगी। गाड़ी संख्या 17433 तिरुपति-रक्सौल साप्ताहिक एक्सप्रेस, 01 जून 2026 से प्रत्येक सोमवार को तिरुपति से 08.15 बजे रवाना होगी तथा मार्ग के मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये अगले दिन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के ठहराव वाले गोंदिया स्टेशन आगमन 07.30 बजे प्रस्थान 07.40 बजे, दुर्ग स्टेशन आगमन 10.00 बजे प्रस्थान 10.05 बजे, रायपुर स्टेशन आगमन 10.45 बजे प्रस्थान 10.50 बजे, बिलासपुर स्टेशन आगमन 13.20 बजे प्रस्थान 13.30 बजे होते हुये तीसरे दिन अर्थात बुधवार को 17.00 बजे रक्सौल स्टेशन पहुंचेगीइसी प्रकार गाड़ी संख्या 17434 रक्सौल-तिरुपति साप्ताहिक एक्सप्रेस दिनांक 04 जून 2026 से प्रत्येक गुरुवार को रक्सौल से 03.15 बजे रवाना होगी तथा मार्ग के मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये अगले दिन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के ठहराव वाले बिलासपुर स्टेशन आगमन 04.40 बजे प्रस्थान 04.50 बजे, रायपुर स्टेशन आगमन 06.20 बजे प्रस्थान 06.25 बजे, दुर्ग स्टेशन आगमन 07.15 बजे प्रस्थान 07.20 बजे, गोंदिया स्टेशन आगमन 09.20 बजे प्रस्थान 09.30 बजे, होते हुये तीसरे दिन अर्थात शनिवार को 09.30 बजे तिरुपति स्टेशन पहुंचेगी कोच संरचना इस गाड़ी में 02 एसएलआर, 04 सामान्य, 10 स्लीपर, 05 एसी-3 तथा 03 एसी-2 कोच सहित कुल 24 कोच की सुविधा उपलब्ध रहेगी गाड़ी का वाणिज्य ठहराव रास्ते में यह गाड़ी रेणिगुंटा, कड़पा, यर्रगुंटला, ताडिपत्रि, गुंतकल, आदोनि, रायचूर, कृष्णा, विकाराबाद, लिंगमपल्ली, सिकंदराबाद, चर्लपल्ली, काजीपेट, पेद्दपल्ली, मंचिर्याल, सिरपुर कागजनगर, बल्लारशाह, चांदाफोर्ट, वडसा, गोंदिया, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, झारसुगुड़ा, राउरकेला, हटिया, रांची, मूरी, बोकारो, चन्द्रपुरा, धनबाद, बराकर, चितरंजन, मधुपुर।

लखनपुर ब्लॉक कांग्रेस की प्रथम संयुक्त बैठक सम्पन्न

संगठन को मजबूत करने पदाधिकारियों को दिए गए मार्गदर्शन

नवनियुक्त पदाधिकारीयो को सर्टिफिकेट का वितरण

बिलासपुर। लखनपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा मण्डल कमेटी, पोलिंग बूथ कमेटी एवं वार्ड पंचायत कमेटी को प्रथम संयुक्त बैठक जूनाडीह स्थित एसपीजे मल्टीप्लेक्स में कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अमित सिंह देव के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव कांग्रेस जिला अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक शामिल हुए। अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया गया।बैठक में ब्लॉक कांग्रेस, मण्डल, बूथ एवं वार्ड पंचायत कमेटियों के सभी पदाधिकारियों को कांग्रेस संगठन की मजबूती एवं आगामी रणनीति को लेकर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। अपने उद्बोधन मे पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर कार्य करना होगा। उन्होंने संगठन विस्तार, जनसंपर्क एवं आम जनता की समस्याओं के निराकरण हेतु सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष बाल कृष्ण पाठक कांग्रेसी नेता विक्रमादित्य सिंहदेव प्रदेश सचिव रणविजय सिंह देव कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष कृपा शंकर गुप्ता ने उपस्थित कांग्रेस पदाधिकारी कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती पर बल देते हुए कहा कि मण्डल, बूथ एवं वार्ड समितियां कांग्रेस पार्टी की सबसे महत्वपूर्ण इकाई हैं और इन्हीं के माध्यम से पार्टी की विचारधारा आम जनता तक पहुंचती है।बैठक के दौरान संगठन को गांव-गांव एवं बूथ स्तर तक सशक्त बनाने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। तत्पश्चात पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव के हाथों कांग्रेस के नवनियुक्त पदाधिकारीयो को सर्टिफिकेट का वितरण किया गया इस बैठक में, वीरेन्द्र सिंह देव, हर्ष सिंह देव, गप्पू खान, सराफत अली, मण्डल अध्यक्ष रमेश जायसवाल, जगरोपण यादव, मुकेश सिंह, विनोद सिंह, भूखल राम, देवनारायण सिंह, दिनेश तायल, जमील खान, जिला सचिव इरशाद खान सहित ब्लॉक कांग्रेस के पदाधिकारी सतेंद्र राय, मुन्ना यादव,अशफाक खान,मोजीब खान, रामसूजन द्विवेदी, अजर राम चौधरी, भानु राजवाड़े, मकसूद खान नंदलाल राजवाड़े लक्ष्मी सिंह, यशोमती पैकरा जिला पंचयात सदस्य मोनिका पैकरा एवं बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अवैध संबंध के शक में पत्नी ने पति पर किया हमला, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

बिलासपुर। चकरभाठा थाना क्षेत्र में पति-पत्नी के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। अवैध संबंध के शक में एक महिला ने अपने पति पर धारदार हथियार से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद घायल व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार राकेश नामक व्यक्ति राजमिस्त्री का काम करता है। उसकी पत्नी को लंबे समय से संदेह था कि उसके पति के किसी अन्य महिला से संबंध हैं। इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। रविवार देर रात दोनों के बीच फिर कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते गंभीर विवाद में बदल गई। आरोप है कि गुस्से में आकर महिला ने घर में रखे हँसिए से पति पर हमला कर दिया।

मांगों पर कार्रवाई नहीं होती है तो भूख हड़ताल पर बैठूंगा पूर्व उपमुख्यमंत्री टी एस सिंह देव

अम्बिकापुर/सूरजपुर जिले के विश्रामपुर थाना के सामने चल रहे विरोध प्रदर्शन ने एक नया मोड़ ले लिया है। पूर्व उपमुख्यमंत्री टी एस सिंह देव ने कहा कि जिस तरह का अड़ियल रवैया सूरजपुर पुलिस प्रशासन का दिख रहा है और शाम 6 बजे तक यदि हमारी मांगों पर कोई कार्यवाही नहीं हुई तो मैं भूख हड़ताल पर बैठूंगा। पूर्व उपमुख्यमंत्री टी एस सिंह देव ने कहा कि मंगलवार को वैसे भी सूर्यास्त तक मेरा उपवास रहता है, यदि सूर्योस्त तक कोई कार्यवाही नहीं हुई तो भूख हड़ताल पर बैठूंगा। ज्ञात हो कि सूरजपुर जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन से शिवनन्दनपुर नगर पंचायत चुनाव के दौरान हुए एक विवाद के बाद आर्म्स एक्ट के तहत हुई कार्यवाही को निरस्त कराने की मांग को लेकर 25 मई को प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज सहित सूरजपुर जिला कांग्रेस के पदाधिकारी विश्रामपुर थाने पहुंचे थे जहां पर जब विश्रामपुर पुलिस ने कांग्रेस की मांग को अनसुना किया तो थाने के सामने ही अनिश्चिकालीन धरने पर प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज के साथ सभी कांग्रेसी बैठ गए। जबकि नरेंद्र जैन के घर पर जाकर विवाद करने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों के विरुद्ध बार-बार मांग के बाद भी पुलिस द्वारा एफआईआर नहीं कि जा रही है। रात 2:30 बजे तक स्वयं टीएस सिंह देव प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज के साथ धरना स्थल पर डटे रहे। और सुबह 11 बजे से ही विश्रामपुर थाने के सामने धरना स्थल पर बैठे हुए हैं। प्रशासन का यदि अड़ियल रवैया जारी रहा तो आज शाम 6:00 बजे से पूर्व उपमुख्यमंत्री टी एस सिंह देव सहित प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज भूख हड़ताल पर बैठेंगे।

जमीन में बंटवारा मांगने को लेकर पिता ने बेटे पर टांगी से प्राण घातक हमला कर किया घायल गंभीर अवस्था मे जिला अस्पताल रेफर

बिलासपुर। लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गुमगरा कला में 24 मई दिन रविवार को जमीन में बंटवारा मांगने को लेकर पिता ने अपने ही बेटे पर टांगी से प्राण घातक हमला कर घायल कर दिया। परिजनों ने एंबुलेंस के माध्यम से उपचार हेतु लखनपुर लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद सर गंभीर चोट होने के कारण जिला अस्पताल रेफर किया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक चँद्रिका सिंह टेकाम उम्र 56 वर्ष जो अपने पिता जगदीश प्रसाद टेकाम से अपनी जमीन को लेकर बटवारा मांग रहा था इसी दौरान गुस्साये पिता ने अपने ही बेटे के सर में टांगी से ताबड़तोड़ प्रहार कर दिया अत्यधिक खून निकलने पर परिजनों ने उपचार हेतु एंबुलेंस के माध्यम से लखनपुर अस्पताल लाया। जहां डॉक्टरों के द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया। टांगी के हमले से घायल चँद्रिका के सर में 20 टांके लगाए गए। सर में गंभीर चोट होने पर जिला अस्पताल पर किया गया साथ ही घटना की सूचना लखनपुर पुलिस को दी गई है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि आरोपी जगदीश प्रसाद ने पहली पत्नी की मृत्यु के बाद दूसरी शादी की थी पहली पत्नी से एक पुत्र और एक पुत्री है और दूसरी पत्नी से पांच पुत्री एक पुत्र है। जब भी पहले पत्नी के पुत्र चँद्रिका टेकाम ने जमीन बंटवारा करने की बात कही उसके पिता ने उसके साथ मारपीट करते हुए जमीन बंटवारा से मना करने से मना दिया। पूर्व में चार बार पिता के द्वारा अपने बेटे के साथ मारपीट किया गया है।

फेसबुक वाले प्रेमी संग रची मौत की साजिश,पति को बिलासपुर बुलाकर उतारा मौत के घाट

बिलासपुर। बिलासपुर में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला सनसनीखेज मामला सामने आया है। झारखंड की रहने वाली एक महिला ने अपने प्रेमी और उसके साथियों के साथ मिलकर अपने ही पति की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को सिरगिट्टी रेलवे ट्रैक किनारे झाड़ियों में फेंक दिया गया। कई दिनों बाद जब झारखंड पुलिस महिला को लेकर बिलासपुर पहुंची, तब सड़ी-गली लाश बरामद हुई। पुलिस के मुताबिक, झारखंड के सिमडेगा निवासी पूनम लोमगा की चार साल पहले फेसबुक के जरिए सुगड़ टोपनो से दोस्ती हुई थी। धीरे-धीरे दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए। कुछ समय पहले पूनम अपने पति और बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ भाग गई थी, लेकिन 15 दिन बाद वापस घर लौट आई। घर लौटने के बाद उसने प्रेमी संग मिलकर पति विनोद लोमगा को रास्ते से हटाने की साजिश रच डाली। योजना के तहत प्रेमी सुगड़ टोपनो अपने दोस्तों के साथ बिलासपुर पहुंचा और विनोद को फोन कर 10 हजार रुपए देने तथा पत्नी को छोड़ देने का झांसा दिया। विनोद पत्नी पूनम के साथ 19 मई को बिलासपुर के सिरगिट्टी पहुंच गया। बताया जा रहा है कि सभी लोग रेलवे ट्रैक किनारे सुनसान इलाके में पहुंचे, जहां पहले विनोद के साथ मारपीट की गई। इसके बाद महिला के दुपट्टे से उसका गला दबाया गया और फिर चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी गई। आरोपी शव को झाड़ियों और कीचड़ में फेंककर झारखंड फरार हो गए। जब विनोद घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। मोबाइल लोकेशन और पूछताछ के आधार पर पुलिस को पूनम पर शक हुआ।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, मुख्यालय, बिलासपुर में एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन......

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ज़ोनल राजभाषा विभाग द्वारा आज 26 मई 2026 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस कार्यशाला में हिन्दी के प्रयोग को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर स्थित जोनल सभाकक्ष में जोनल रेलवे, बिलासपुर तथा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर सम्मिलित हुए । मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान वित्त सलाहकार श्री मो. जावेद मज़हर के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यशाला में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मुख्यालय तथा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर कार्यालय के 28 कार्यालयों के विभिन्न विभागों में कार्यरत राजभाषा नोडल कर्मचारियों के साथ अनुसचिवीय/प्रशासनिक कार्य से संबद्ध कार्मिकों ने भाग लिया । कार्यशाला के आरंभ में मुख्य वक्ता के रूप में मुख्यालय से राजभाषा अधिकारी श्री पीताम्बर लाल जाटवर ने कार्यशाला में उपस्थित सभी कार्मिकों का स्वागत करते हुए प्रधान कार्यालय में कार्यरत प्रत्येक कार्मिक को 02 वर्ष में कम से कम एक बार कार्यशाला में भाग लेने की अनिवार्यता पर ज़ोर दिया । गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम, राजभाषा नीति, नियम, प्रोत्साहन योजनाओं तथा संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण के परिप्रेक्ष्य में राजभाषा नीति के क्रियान्वयन में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी सारगर्भित चर्चा के साथ प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर दिये गए । इस कार्यशाला में जोनल रेलवे सहित विभिन्न केंद्रीय कार्यालयों के कुल 59 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया । हिंदी कार्यशाला का संचालन श्री पुषोत्तम कुमार गवेल एवं धन्यवाद ज्ञापन मुख्यालय राजभाषा अधिकारी श्री पीताम्बर लाल जाटवर ने किया ।

मंडल के चांपा-गेवरारोड सेक्शन के मध्य मड़वारानी स्टेशन पर अतिरिक्त लूप कमीशनिंग कार्य सफलता पूर्वक सम्पन्न......

- मड़वारानी स्टेशन पर अतिरिक्त लूप लाइन कमीशनिंग कार्य से रेल परिचालन होगा और अधिक सुदृढ़ एवं सुगम
- बेहतर योजना व प्रबंधन के साथ इस कार्य के दौरान इस खंड के कई अन्य स्टेशनों पर पूरे किए संरक्षा के कई महत्वपूर्ण कार्य

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल द्वारा यात्रियों को संरक्षित, सुगम एवं समयबद्ध रेल सेवाएँ उपलब्ध कराने हेतु अधोसंरचना विकास के कार्य निरंतर किए जा रहे हैं। इसी क्रम में चांपा-गेवरारोड सेक्शन के मध्य स्थित मड़वारानी स्टेशन पर क्ष एवं ष्ठह अतिरिक्त लूप लाइन की कमीशनिंग का कार्य सफलता पूर्वक सम्पन्न किया गया। कमीशनिंग कार्य के अंतर्गत स्टेशन पर आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली स्थापित की गई है। इसके साथ ही यार्ड रीमॉडलिंग, अतिरिक्त लूप लाइन, सिग्नलिंग एवं सुरक्षा उपकरणों का उन्नयन किया गया। इस कार्य में आधुनिक तकनीकों एवं उन्नत सुरक्षा मानकों का उपयोग सुनिश्चित किया गया है। मड़वारानी स्टेशन पर किए गए प्रमुख कार्यों में 18 पॉइंट्स, 39 रूट, 11 मेन सिग्नल, 02 कॉलिंग-ऑन सिग्नल, 09 शंट सिग्नल, 06 लाइनें, 43 डीसी ट्रैक सर्किट, 06 ए-मार्कर, 02 एजी-मार्कर तथा स्रुङ्घष्ट आधारित आधुनिक ट्रैक सेक्शन एवं ऑटो सेक्शन की स्थापना शामिल है। लूप लाइन कमीशनिंग के अलावा इस रेलखंड के अन्य स्टेशनों में संपादित किए गए अनेक कार्य -अतिरिक्त लूप लाइन कमीशनिंग के दौरान रेलवे प्रशासन द्वारा संरक्षा से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग कार्य भी एक साथ पूरे किए गए, जिन्हें सामान्य परिस्थितियों में अलग-अलग ब्लॉक लेकर तथा गाड़ियों को रद्द कर ही किया जा सकता था। विशेष बात यह रही कि इन सभी कार्यों को बेहतर योजना, समन्वय एवं

प्रबंधन के माध्यम से बिना किसी अतिरिक्त गाड़ी को प्रभावित किए सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इससे यात्रियों की सुविधा एवं निर्बाध रेल सेवा सुनिश्चित की गई। संरक्षा एवं अधोसंरचना उन्नयन के किए गए अतिरिक्त कार्य-09 सेट TTR (TWS) का कार्य पूर्ण किया गया 02 सेट SEJ (TWS) का नवीनीकरण किया गया 02 सेट इम्प्रूव्ड SEJ का नवीनीकरण किया गया 03 WCMS क्रॉसिंग का नवीनीकरण किया गया 40 ग्लूड जॉइंट का नवीनीकरण किया गया 595.69 मीटर रेल नवीनीकरण कार्य किया गया 126 AT वेल्डिंग कार्य किया गया 04 टर्नआउट का स्टैंडर्डाइजेशन कार्य पूरा किया गया 11 टर्नआउट में दोषपूर्ण फिटिंग्स का प्रतिस्थापन/रीकपमेंट कार्य किया गया 44 फिश प्लेटेड जॉइंट्स को वेल्डिंग का कार्य किया गया इन कार्यों से ट्रैक संरक्षा, विश्वसनीयता एवं परिचालन दक्षता में उल्लेखनीय सुधार होगा। साथ ही भविष्य में ट्रेनों के सुरक्षित एवं सुचारु संचालन को और मजबूती मिलेगी। अतिरिक्त लूप लाइन उपलब्ध होने से ट्रेनों की क्रॉसिंग एवं परिचालन क्षमता में वृद्धि होगी, जिससे गाड़ियों की समयबद्धता में सुधार के साथ-साथ माल एवं यात्री ट्रेनों के संचालन में भी सुगमता आएगी।

गर्भपात के बाद दोबारा प्रेग्नेंसी पर भी मिलेगा पूरा अवकाश:हाईकोर्ट

बिलासपुर। कामकाजी महिलाओं के मातृत्व अधिकारों को लेकर हाईकोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है. हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने कहा कि यदि किसी महिला कर्मचारी का गर्भपात हो जाता है, और वह उसके बाद दोबारा गर्भवती होती है, तो पिछला अवकाश उसके नए मातृत्व अवकाश के रास्ते में बाधा नहीं बनेगा. महिला अपने दूसरे गर्भधारण के लिए कानूनन पूरी मातृत्व छुट्टी पाने की हकदार है. इसके साथ ही हाई कोर्ट ने महिला के वेतन से काटे गए 80,254 रुपए की रिकवरी को रद्द कर दिया है. मामले में जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद की सिंगल बेंच ने यह फैसला सुनाया। बता दें, कि भारतीय खाद्य निगम रायपुर में असिस्टेंट ग्रेड-2 के पद पर पदस्थ महिला कर्मचारी वर्ष 2019 में गर्भवती हुई थीं. उनके जुड़वां बच्चे होने थे, लेकिन गंभीर चिकित्सीय जटिलताओं के चलते 25 अप्रैल 2019 को अस्पताल में उनका एक भ्रूण मिसकैरेज हो गया. डॉक्टरों की निगरानी और बेड रेस्ट के बाद उन्होंने 3 सितंबर 2019 को एक प्री-मैच्योर बेटी को जन्म दिया. इसके बाद उन्होंने मातृत्व अवकाश और नियमों के अनुसार मेडिकल बिलों के भुगतान के लिए आवेदन किया. विभाग ने उन्हें केवल 68 दिनों का असाधारण अवकाश बिना वेतन के मंजूर किया, और लीव बैलेंस नहीं होने का हवाला देकर उनके वेतन से 80,254 रुपए की कटौती भी कर ली गई.

घर में विंड चाइम टांगने का सही नियम

फेंगशुई चीन का प्राचीन वास्तु शास्त्र है, जिसमें घर की ऊर्जा को संतुलित करने और सकारात्मकता बढ़ाने के कई उपाय बताए गए हैं। इनमें विंड चाइम बहुत महत्वपूर्ण माने जाते हैं। हवा चलने पर इनकी घंटियों से निकलने वाली आवाज नेगेटिविटी दूर कर घर में शांति, समृद्धि और सकारात्मकता का संचार करती है। विंड चाइम घर में पॉजिटिविटी जरूर बढ़ाती है, लेकिन इसे टांगने में अगर गलती हो जाए तो बैड लक भी बढ़ सकता है। आज हम आपको विंड चाइम से जुड़े कुछ जरूर नियम बताएंगे। आइए जानते हैं इनके बारे में।

विंड चाइम क्या है और इसका महत्व

फेंगशुई में विंड चाइम को 'सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह' माना जाता है। जब हवा इनकी छड़ों से टकराती है, तो मधुर ध्वनि उत्पन्न होती है जो रुकी हुई ऊर्जा को सक्रिय करती है। यह घर के सदस्यों के मन को शांत रखती है, तनाव कम करती है और सौभाग्य को आकर्षित करती है। लेकिन सही दिशा, सामग्री और संख्या का ध्यान न रखने पर यह ऊर्जा बिखर सकती है।

विंड चाइम लगाने की सही दिशाएं

मेटल के विंड चाइम पश्चिम या उत्तर दिशा में लगाएं। यह धन और करियर के लिए अच्छा माना जाता है। लकड़ी या बांस के विंड चाइम पूर्व या दक्षिण दिशा में लगाना शुभ होता है। यह स्वास्थ्य, परिवार और विकास के लिए लाभकारी है। मुख्य द्वार पर 4 या 5 छड़ों वाला विंड चाइम लगाना सबसे अच्छा माना जाता है।

घर के किस हिस्से में लगाएं विंड चाइम

मुख्य द्वार के ऊपर या बगल में 4 छड़ वाला विंड चाइम लगाना सही होता है। वहीं ड्राइंग रूम में 6 छड़ वाला विंड चाइम टांगना चाहिए। इनके अलावा आप विंड चाइम को खिड़की या बालकनी मेंऑफिस के दरवाजे या खिड़की पर टांग सकते हैं।

सबसे आम गलतियां जो लोग करते हैं

विंड चाइम को गलत दिशा में लगाना एक आम गलती है, जो ज्यादातर लोग करते हैं। वहीं कई लोग टूटे या खराब विंड चाइम को लगाए रखते हैं, जो गलत होता है। सोने वाले कमरे में विंड चाइम लगाना ठीक नहीं होता है, इससे नींद प्रभावित होती है। प्लास्टिक या निम्न गुणवत्ता वाले चाइम का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

विंड चाइम की संख्या का महत्व

फेंगशुई में छड़ों की संख्या खास होती है। 5 छड़ पांच तत्वों (लकड़ी, अग्नि, पृथ्वी, धातु और जल) को संतुलित करती है। 6 या 8 छड़ वाला विंड चाइम धन और समृद्धि के लिए अच्छा माना जाता है। 4 छड़ वाला विंड चाइम मुख्य द्वार के लिए उत्तम होता है।

ऑफिस या दुकान में विंड चाइम

ऑफिस में विंड चाइम लगाने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है। इसे मुख्य दरवाजे या खिड़की पर लगाएं, जहां हवा लगातार आए। इससे क्लाइंट्स बढ़ते हैं और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। लेकिन कैश काउंटर या काम करने की टेबल के ठीक ऊपर ना लगाएं।

शौचालय में यदि है वास्तु दोष तो करें ये 9 उपाय

किसी भी घर में जब शौचालय का संवेदनशील स्थान वास्तु के सिद्धांतों के विपरीत, जैसे कि ईशान कोण (उत्तर-पूर्व) या ब्रह्मस्थान (केंद्र) में स्थित होता है, तो यह तुरंत घर की सकारात्मक ऊर्जा को प्रदूषित कर देता है। ज्योतिषीय दृष्टिकोण से, यह दोष सीधे छाया ग्रह राहु को सक्रिय करता है। राहु को भ्रम, अचानक आने वाली समस्याएं, अनसुलझे रोग, कर्ज और सामाजिक अपमान का कारक माना जाता है। इसके निवारण हेतु निम्न उपाय करके आप घर का वास्तु सुधार कर राहु के प्रभाव को निष्क्रिय कर सकते हैं।

वास्तु दोष निवारण के 9 उपाय:

1. **शौचालय का निर्माण/स्थान परिवर्तन:** यदि संभव हो, तो शौचालय को उत्तर-पश्चिम (वायव्य) या दक्षिण-पश्चिम दिशा में बनवाएं।
2. ईशान कोण और ब्रह्मस्थान में शौचालय होने पर तुरंत उसे हटाने का प्रयास करें।
3. **ऊर्जा अवरोधक का उपयोग:** शौचालय के दरवाजे पर पर्दा लगाकर रखें और उसे हमेशा बंद रखें।
4. शौचालय की दीवारों पर गहरे नीले या काले रंग के टाइल्स लगाने से बचें।
5. **नमक का उपाय:** शौचालय के एक कोने में एक खुली कटोरी में साबुत सेंधा नमक रखें। यह नमक नकारात्मक ऊर्जा या राहु के प्रभाव को अवशोषित करता है। इसे हर हफ्ते बदलते रहें और पुराने नमक को फ्लश कर दें।
6. **पौधों का प्रयोग:** शौचालय के अंदर छोटे इनडोर पौधे जैसे स्नेक प्लांट या बांस का पौधा रखने से नकारात्मकता कम होती है।
7. **राहु ग्रह की शांति:** राहु के मंत्र ॐ रां राहवे नमः, या ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः का नियमित जप करें।
8. प्रत्येक शनिवार को किसी गरीब या सफाईकर्मी को विशेषकर नीले या काले रंग के वस्त्र दान करें।
9. घर को हमेशा साफ और व्यवस्थित रखें, विशेषकर शौचालय को।

बिना मेकअप सांवली त्वचा को बनाएं खूबसूरत

भारत में अभी भी अधिकतर लोग गोरी त्वचा को सुंदरता का पैमाना मानते हैं। अगर आपकी त्वचा की रंगत गोरी है तो ही आपको सुंदर माना जाता है, जबकि असल में स्वस्थ और दमकती त्वचा ही सबसे खूबसूरत होती है। अगर आपकी त्वचा सांवली है तो इसे छिपाने की जरूरत नहीं, बल्कि सही तरीके से निखारने की जरूरत है। आज के समय में प्रदूषण, धूल मिट्टी, गलत खानपान और तनाव जैसी समस्याएं त्वचा की रंगत को प्रभावित करती हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप अपनी स्किन केयर रूटीन में कुछ आसान और असरदार उपाय शामिल करें। सांवली त्वचा को निखारने के लिए महंगे प्रोडक्ट्स की जरूरत नहीं होती है। आप घरेलू नुस्खों और सही लाइफस्टाइल से भी शानदार ग्लो पा सकती हैं। इस लेख के जरिए जानिए 5 ऐसे आसान और प्रभावी तरीके, जिन्हें अपनाकर आप अपनी त्वचा को हेल्दी, ग्लोइंग और खूबसूरत बना सकते हैं

त्वचा को रखें साफ

त्वचा पर जमी धूल, पसीना और प्रदूषण रंग को दबा देते हैं। दिन में दो बार माइल्ड फेस वॉश करें। रात में सोने से पहले चेहरा जरूर साफ करें। हफ्ते में एक-दो बार एक्सफोलिएशन करें। डेड स्किन को बाहर निकालने के लिए हल्का स्क्रब जरूरी है। इससे त्वचा में निखार आता है। ध्यान रखें ज्यादा रगड़ने से चमक नहीं बढ़ती बल्कि स्किन को नुकसान हो सकता है।

घरेलू नुस्खे

आपकी रसोई ही असली स्किन क्लिनिक रही है। दही और हल्दी के फेस पैक से टैनिंग कम होती है और त्वचा मुलायम बनती है। वहीं बेसन और गुलाब जल को मिलाकर चेहरे पर लगाने से रंग निखारता है, साथ ही ऑयल कंट्रोल करता है। कच्चा दूध नेचुरल क्लींजर का काम करता है। एलोवेरा जेल त्वचा को ठंडक और ग्लो देता है। रोज नहीं लेकिन हफ्ते में 2-3 बार इनका इस्तेमाल करें। हालांकि उपयोग से पहले पैच टेस्ट जरूर करें।

धूप से रंगत बिगड़ सकती है

सांवली त्वचा में मेलानिन ज्यादा होता है, फिर भी सनटैन और पिगमेंटेशन का खतरा रहता है। इसलिए रोज सनस्क्रीन जरूर लगाएं।

गर्मियों में शरीर को ठंडा रखने के लिए करें ये योगासन

गर्मी का मौसम आते ही शरीर में थकान, बेचैनी, पसीना और चिड़चिड़ापन जैसी समस्याएं बढ़ने लगती हैं। कई लोग तेज धूप और बढ़ते तापमान की वजह से जल्दी थक जाते हैं या पूरे दिन सुस्ती महसूस करते हैं। ऐसे में सिर्फ AC या कूलर पर निर्भर रहना हमेशा पर्याप्त नहीं होता। शरीर को अंदर से शांत और ठंडा रखने के लिए लाइफस्टाइल और दिनचर्या में कुछ हेल्दी बदलाव करना भी जरूरी होता है। योग उन्हीं आसान और असरदार तरीकों में से एक माना जाता है, जो शरीर और मन दोनों को राहत देने में मदद कर सकता है। कुछ खास योगासन और प्राणायाम शरीर की गर्मी को शांत करने, तनाव कम करने और मन को रिलैक्स करने में मददगार माने जाते हैं। यही वजह है कि गर्मियों में योग को नेचुरल कूलिंग थेरेपी की तरह देखा जाता है। अगर आप भी गर्मी और बेचैनी से परेशान रहते हैं, तो आज हम आपको बताएंगे कुछ ऐसे आसान योगासन, जिनका नियमित अभ्यास शरीर को ठंडक और ताजगी का अहसास दिला सकता है। गर्मियों में राहत दिला सकते हैं ये योगासन

बालासन

बालासन को शशांकासन या अंग्रेजी में चाइल्ड पोज भी कहा जाता है। यह आसन शरीर को रिलैक्स करने और मानसिक तनाव कम करने में मदद कर सकता है। गर्मियों में इसे करने से शरीर को आराम और ठंडक महसूस हो सकती है। सुबह या शाम के समय इसका अभ्यास ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

शवासन

शवासन सबसे आसान लेकिन असरदार योगासन में से एक माना जाता है। इसमें शरीर को पूरी तरह रिलैक्स किया जाता है। गर्मी और थकान से परेशान लोगों के लिए यह आसन काफी सुकून देने वाला हो सकता है।

शीतली प्राणायाम

शीतली प्राणायाम गर्मियों के लिए बेहद लोकप्रिय श्वास अभ्यास माना जाता है। इसमें खास तरीके से सांस लेकर शरीर को ठंडक पहुंचाने की कोशिश की जाती है। इसे करने से मन शांत और शरीर हल्का महसूस हो सकता है।

भुजंगासन

भुजंगासन शरीर को स्ट्रेच देने और एनर्जी बढ़ाने में मदद कर सकता है। हालांकि इसे बहुत ज्यादा गर्म वातावरण में करने से बचना चाहिए। सही तरीके और शांत माहौल में इसका अभ्यास शरीर को हल्का महसूस करा सकता है।

विपरीत करणी प्राणायाम

इस आसन में पैरों को ऊपर की ओर रखा जाता है, जिससे शरीर को रिलैक्स महसूस हो सकता है। लंबे समय तक खड़े रहने या गर्मी में ज्यादा थकान होने पर यह योगासन आराम देने में मददगार माना जाता है।

आज का राशिफल

मेष राशि - आपके लिए चुनौतियों पर विजय और सफलता का रहेगा, क्योंकि आपकी राशि के छठे भाव में चंद्रमा विराजमान है। प्रथम भाव में मंगल और बुध की उपस्थिति आपको अद्भुत आत्मविश्वास और तीव्र निर्णय लेने की शक्ति प्रदान करेगी। करियर में नई शुरुआत के लिए समय अनुकूल है, प्रतिस्पर्धा में आप अव्वल रहेंगे। व्यापार में आर्थिक लाभ के योग हैं, लेकिन कर्ज के लेन-देन से बचें। लव लाइफ में मधुरता बनी रहेगी।

वृषभ राशि - आपके लिए रचनात्मकता और संतान सुख लेकर आएगा, क्योंकि आपकी राशि के पंचम भाव में चंद्रमा गोचर कर रहे हैं। आपकी राशि में सूर्य की उपस्थिति करियर में स्थिरता और मान-सम्मान दिलाएगी। बिजनेस में नवाचार और योजनाबद्ध तरीके से किया गया निवेश बड़ा आर्थिक लाभ दिला सकता है। लव लाइफ में रोमांस बढ़ेगा और पार्टनर के प्रति आकर्षण महसूस करेंगे। दांपत्य जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी।

मिथुन राशि - आपकी राशि के चतुर्थ भाव में चंद्रमा गोचर कर रहे हैं। आपकी राशि में गुरु और शुक्र की उपस्थिति करियर में पदोन्नति और तरक्की के सुनहरे अवसर प्रदान करेगी। व्यापार में नई शुरुआत लाभदायक रहेगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। लव लाइफ में गहराई आएगी और पार्टनर के साथ भविष्य की योजनाएं बनाएंगे। रिश्तों में आकर्षण और रोमांस बना रहेगा।

कर्क राशि - आपके लिए पराक्रम और साहस में वृद्धि का होगा, क्योंकि आपकी राशि के तृतीय भाव में चंद्रमा संचरण कर रहे हैं। करियर के क्षेत्र में आपकी मेहनत का फल पदोन्नति या नई जिम्मेदारी के रूप में मिल सकता है। बिजनेस में छोटी दूरी की यात्राएं लाभदायक रहेंगी और नए अवसर प्राप्त होंगे। आर्थिक लाभ की स्थिति बनी रहेगी।

सिंह राशि - आपके लिए आर्थिक लाभ और वाणी के प्रभाव का रहेगा, क्योंकि आपकी राशि के द्वितीय भाव में चंद्रमा विराजमान है। करियर में तरक्की के नए मार्ग खुलेंगे और कार्यस्थल पर आपकी प्रशंसा होगी। बिजनेस में निवेश के लिए समय बहुत लाभकारी है, जिससे आपकी जमा पूंजी में वृद्धि होगी। लव लाइफ में पार्टनर के साथ मधुर संवाद संबंधों को मजबूत करेगा। दांपत्य जीवन में सुखद स्थिरता आएगी।

कन्या राशि - आपके लिए नई ऊर्जा और मानसिक स्पष्टता का होगा, क्योंकि आपकी राशि के प्रथम भाव में चंद्रमा गोचर कर रहे हैं। करियर में आपकी एकाग्रता और मेहनत आपको बड़ी सफलता दिलाएगी। बिजनेस में विस्तार के अवसर मिलेंगे और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। लव लाइफ में आकर्षण बढ़ेगा और पार्टनर के साथ प्रेम प्रसंगों में सफलता मिलेगी। दांपत्य जीवन में मधुरता और शांति बनी रहेगी।

तुला राशि- राशि के द्वादश भाव में चंद्रमा गोचर कर रहे हैं। करियर के सिलसिले में विदेश यात्रा या लंबी दूरी की यात्रा के योग बन रहे हैं। बिजनेस में जोखिम भरे निवेश और अनावश्यक खर्चों से बचें। कार्यस्थल पर प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जिससे मानसिक तनाव हो सकता है। लव लाइफ में कुछ गलतफहमियां उत्पन्न हो सकती हैं, इसलिए धैर्य से काम लें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, नींद की कमी और आंखों में समस्या हो सकती है।

वृश्चिक राशि - आपके लिए लाभ और उपलब्धियों की सौगात लेकर आएगा, क्योंकि आपकी राशि के एकादश भाव में चंद्रमा विराजमान है। करियर में पदोन्नति और वेतन वृद्धि के प्रबल संकेत हैं। बिजनेस में नए अनुबंध होंगे जो भविष्य में बड़े लाभ दिलाएंगे। पुराने निवेशों से आर्थिक लाभ होगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। लव लाइफ में प्रगाढ़ता आएगी और आप पार्टनर के साथ भविष्य की सुखद योजनाएं बनाएंगे।

धनु राशि- आपके लिए करियर की ऊंचाइयों और कार्यस्थल पर वर्चस्व का होगा, क्योंकि आपकी राशि के दशम भाव में चंद्रमा संचरण कर रहे हैं। नौकरी में आपके काम की गुणवत्ता आपको सम्मान दिलाएगी। बिजनेस में स्थिरता आएगी और तरक्की के नए अवसर मिलेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और आय के नए मार्ग खुलेंगे। लव लाइफ में आकर्षण बना रहेगा, हालांकि काम की व्यस्तता के कारण पार्टनर को कम समय दे पाएंगे।

मकर राशि - आपके लिए भाग्य की चमक और आध्यात्मिक उन्नति का रहेगा, क्योंकि आपकी राशि के नवम भाव में चंद्रमा गोचर कर रहे हैं। करियर में भाग्य का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे नई शुरुआत और सफलता के अवसर मिलेंगे। बिजनेस में किया गया निवेश सफल रहेगा और आर्थिक लाभ सुनिश्चित होगा। प्रेम संबंधों में गहराई आएगी और पार्टनर के साथ किसी धार्मिक या लंबी यात्रा पर जा सकते हैं।

कुंभ राशि- आपके लिए थोड़ा संभलकर चलने और अंतर्मंथन का है, क्योंकि आपकी राशि के अष्टम भाव में चंद्रमा गोचर कर रहे हैं। करियर में अचानक आई चुनौतियां आपको मानसिक तनाव दे सकती हैं। बिजनेस में उधारी के लेनदेन से बचें, अन्यथा आर्थिक हानि का जोखिम रहेगा। रिश्तों में पारदर्शिता बनाए रखें, पार्टनर के साथ विवाद की स्थिति से बचने के लिए मौन रहें।

मीन राशि- आपके लिए साझेदारी और दांपत्य सुख में मधुरता लेकर आएगा, क्योंकि आपकी राशि के सप्तम भाव में चंद्रमा विराजमान है। बिजनेस पार्टनर के साथ तालमेल बहुत अच्छा रहेगा और व्यापार में विस्तार की नई योजनाएं बनेंगी। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की और प्रमोशन के अवसर मिलेंगे।

सुबह के नाश्ते में कभी नहीं खानी चाहिए ये चीजें

सुबह का नाश्ता दिन का सबसे महत्वपूर्ण भोजन माना जाता है, क्योंकि यह शरीर को पूरे दिन के लिए ऊर्जा देने का काम करता है। लेकिन कई लोग जल्दबाजी या गलत खानपान की आदतों के कारण नाश्ते में ऐसी चीजें खा लेते हैं, जो शरीर को फायदा पहुंचाने की बजाय नुकसान पहुंचा सकती हैं। खाली पेट गलत नाश्ता करने का सीधा असर आपके पाचन तंत्र पर असर पड़ सकता है और दिनभर सुस्ती महसूस हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार हेल्दी और संतुलित नाश्ता न केवल शरीर को एनर्जी देता है, बल्कि वजन कंट्रोल, बेहतर मेटाबॉलिज्म और मानसिक फोकस बनाए रखने में भी मदद करता है। इसलिए यह जानना बेहद जरूरी है कि सुबह के नाश्ते में किन चीजों से बचना चाहिए और कौन-सी आदतें आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकती हैं।

1. तला-भुना और ऑयली खाना

सुबह खाली पेट ज्यादा तला-भुना और ऑयली खाना खाने से पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। पूड़ी, कचौड़ी, समोसा और फ्राइड स्नैक्स जैसी चीजें पेट में भारीपन पैदा कर सकती हैं। इससे खाना देर से पचता है और एसिडिटी, गैस व सुस्ती की समस्या बढ़ सकती है। लंबे समय तक ऐसी आदत वजन बढ़ने और कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने का कारण भी बन सकती है।

2. पैकेज्ड जूस

कई लोग हेल्दी समझकर सुबह मीठे सीरियल या पैकेज्ड जूस का सेवन करते हैं, लेकिन इनमें शुगर की मात्रा काफी ज्यादा होती है। इससे ब्लड शुगर तेजी से बढ़ता है और थोड़ी देर बाद अचानक गिर जाता है। इसका असर शरीर की ऊर्जा पर पड़ता है और जल्दी भूख लगने लगती है। लगातार ज्यादा शुगर वाला नाश्ता मोटापा और डायबिटीज के खतरे को भी बढ़ा सकता है।

3. सिर्फ चाय या कॉफी पर निर्भर रहना

सुबह केवल चाय या कॉफी पीकर दिन की शुरुआत करना शरीर को जरूरी पोषण नहीं देता। खाली पेट ज्यादा चाय या कॉफी लेने से एसिडिटी और गैस की समस्या हो सकती है। इससे शरीर में कमजोरी, थकान और फोकस की कमी महसूस हो सकती है। लंबे समय तक ऐसा करने से पाचन तंत्र भी प्रभावित हो सकता है।

4. प्रोसेस्ड और इंस्टेंट फूड

इंस्टेंट नूडल्स, प्रोसेस्ड स्नैक्स और पैकेज्ड फूड में प्रिजर्वेटिव और सोडियम की मात्रा ज्यादा होती है। ये शरीर को पर्याप्त पोषण नहीं देते और गट हेल्थ को नुकसान पहुंचा सकते हैं। नियमित रूप से ऐसे फूड खाने से पाचन कमजोर हो सकता है और शरीर में पोषक तत्वों की कमी होने लगती है।

गर्मी में चिपचिपी त्वचा के लिए स्किन केयर रूटीन

गर्मियों के मौसम में पसीना आना आम बात है। कई लोगों को पसीने की वजह से त्वचा में चिपचिपाहट, तैलीय और पिंपल्स जैसी समस्याएं होने लगती हैं। पसीने के कारण त्वचा के पोर्स बंद हो सकते हैं, जिससे स्किन डल और असहज महसूस होने लगती है। ऐसे में अगर सही स्किन केयर रुटीन अपनाया जाए, तो इन समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। आइए जानते हैं ऐसे 6 आसान स्किन केयर रुटीन जो गर्मियों में आपकी त्वचा को फ्रेश बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। अगर आप नियमित रूप से इन आसान टिप्स को अपनाते हैं, तो आपकी त्वचा गर्मियों में भी फ्रेश, साफ और हेल्दी बनी रह सकती है।

दिन में दो बार फेसवॉश करें

गर्मियों में चेहरे पर धूल, पसीना और ऑयल जमा हो सकता है। इसलिए दिन में कम से कम दो बार हल्के फेसवॉश से चेहरा साफ करना जरूरी है। इससे त्वचा साफ और ताजगी भरी महसूस होती है।

टोनर का इस्तेमाल करें

टोनर स्किन के पोर्स को टाइट करने में मदद करता है और अतिरिक्त ऑयल को कम करता है। आप गुलाब जल या हल्के टोनर का इस्तेमाल कर सकते हैं।

ऑयल-फ्री मॉइस्चराइज़र लगाएं

कई लोग गर्मियों में मॉइस्चराइज़र लगाना छोड़ देते हैं, लेकिन यह सही नहीं है। स्किन को हाइड्रेट रखने के लिए ऑयल-फ्री या जेल बेस्ड मॉइस्चराइजर इस्तेमाल करना बेहतर होता है।

सनस्क्रीन जरूर लगाएं

गर्मियों में तेज धूप त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन लगाना जरूरी है। इससे टैनिंग और स्किन डैमेज से बचाव हो सकता है।

चेहरे को ठंडक दें

अगर स्किन ज्यादा चिपचिपी महसूस हो रही है, तो आप ठंडे पानी से चेहरा धो सकते हैं और आइस क्यूब से हल्की मसाज कर सकते हैं। इससे त्वचा को राहत मिल सकती है।

पर्याप्त पानी और हेल्दी डाइट लें

त्वचा को हेल्दी बनाए रखने के लिए शरीर को अंदर से हाइड्रेट रखना जरूरी है। इसके लिए ज्यादा पानी पिएं, ताजे फल और सब्जियां खाएं। तला-भुना खाना कम करें। स्किन केयर टिप- गर्मियों में बहुत ज्यादा मेकअप करने से बचें। हल्का और स्किन-फ्रेंडली प्रोडक्ट इस्तेमाल करना बेहतर होता है।

परफेक्ट विंग आइलाइनर लगाने के लिए टेप का इस्तेमाल करें

मेकअप की दुनिया में विंग आइलाइनर का ट्रेंड कभी पुराना नहीं होता। चाहे पार्टी लुक हो, ऑफिस मेकअप या फिर कैजुअल स्टाइल, एक परफेक्ट विंग आइलाइनर आंखों की खूबसूरती को कई गुना बढ़ा देता है। हालांकि, ज्यादातर लड़कियों की सबसे बड़ी परेशानी यही होती है कि विंग आइलाइनर दोनों आंखों में एक जैसा नहीं बन पाता। कई बार लाइन टेढ़ी हो जाती है, तो कभी विंग का शेप बिगड़ जाता है। अगर आप भी विंग आइलाइनर लगाने में घंटों लगा देती हैं या हर बार उसे हटाकर दोबारा बनाना पड़ता है, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। कुछ आसान ट्रिक्स और सही तकनीक अपनाकर आप घर पर ही प्रोफेशनल जैसी शार्प और क्लीन विंग बना सकती हैं। परफेक्ट विंग आइलाइनर लगाना मुश्किल जरूर लग सकता है, लेकिन सही तकनीक और थोड़ी प्रैक्टिस से इसे आसानी से सीखा जा सकता है।

चटपटा आम का अचार

गर्मियों का मौसम शुरू होते ही बाजार में कच्चे आमों की बहार दिखाई देने लगती है। इन दिनों हर घर में आम का अचार बनाने की तैयारी भी शुरू हो जाती है। भारतीय रसोई में आम का अचार केवल एक खाद्य पदार्थ नहीं, बल्कि स्वाद और परंपरा का हिस्सा माना जाता है। दाल-चावल, पराठा या साधारण खाने के साथ भी अगर आम का अचार मिल जाए, तो खाने का स्वाद कई गुना बढ़ जाता है। आजकल लोग बाजार का रेडीमेड अचार खरीद लेते हैं, लेकिन घर पर बना अचार स्वाद और शुद्धता दोनों में बेहतर माना जाता है। खास बात यह है कि इसे बनाना जितना मुश्किल समझा जाता है, वास्तव में उतना कठिन नहीं है। सही मसाले और आसान विधि अपनाकर आप घर पर ही स्वादिष्ट और लंबे समय तक चलने वाला आम का अचार तैयार कर सकते हैं। अगर आपने अभी तक घर पर अचार नहीं बनाया है, तो यह रेसिपी आपके लिए बेहद आसान साबित होगी। कुछ साधारण मसालों और ताजे कच्चे आम की मदद से आप झटपट ऐसा अचार बना सकते हैं, जिसका स्वाद पूरे परिवार को पसंद आएगा। आइए जानते हैं आम का अचार बनाने की आसान और स्वादिष्ट विधि।

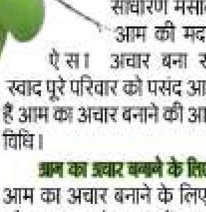

आम का अचार बनाने के लिए जरूरी सामग्री

आम का अचार बनाने के लिए सबसे पहले ताजे और सख्त कच्चे आम चुनें। इसके अलावा सरसों का तेल, नमक, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, सौंफ, मेथी दाना, कलौंजी, राई।

आम काटते समय रखें ये सावधानी

आम को अच्छी तरह धोकर सूखा लें, क्योंकि नमी रहने से अचार जल्दी खराब हो सकता है। इसके बाद आम को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। ध्यान रखें कि अचार बनाने वाले सभी बर्तन पूरी तरह सूखे हों। यही ट्रिक अचार को लंबे समय तक सुरक्षित रखने में मदद करती है।

आम का अचार कैसे बनाएं?

एक बड़े बर्तन में कटे हुए आम डालें और उसमें नमक व हल्दी मिलाकर कुछ घंटों के लिए छोड़ दें। इसके बाद बाकी मसाले डालें। सरसों के तेल को हल्का गर्म करके ठंडा कर लें और उसे आम में मिला दें। अब इस मिश्रण को साफ कांच के जार में भर दें।

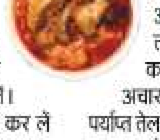

धूप दिखाने से बढ़ता है स्वाद

अचार को 3 से 4 दिन तक रोज धूप में रखें। बीच-बीच में सूखे चम्मच से चलाते रहें ताकि मसाले अच्छी तरह मिल जाएं। धूप लगने से अचार का स्वाद और खुशबू दोनों बढ़ जाते हैं। कुछ ही दिनों में स्वादिष्ट आम का अचार तैयार हो जाएगा।

लंबे समय तक खराब नहीं होगा अचार

अगर आप चाहते हैं कि अचार लंबे समय तक खराब न हो, तो हमेशा सूखे चम्मच का इस्तेमाल करें। अचार में नमी बिल्कुल नहीं जानी चाहिए। पर्याप्त तेल और नमक अचार को सुरक्षित रखने में मदद करते हैं। सही तरीके से रखा गया आम का अचार कई महीनों तक स्वाद बनाए रखता है।

17 करोड़ का ठगड़ा बांध अनदेखी का शिकार

17 करोड़ की लागत से दुर्ग के ठगड़ा बांध में बने पिकनिक स्पॉट अनदेखी का शिकार.

जैव विविधता पार्क और नौका विहार जैसी सुविधाएं होने के बावजूद मौजूद आज यहां पर न तो नौका विहार होता है और न ही खुबसूरत फव्वारे का वह नज़ारा है.यहां विरानी की वजह से अब पर्यटक भी नहीं आते।

ये तस्वीर बता रही हैं कि, लाखों रुपए खर्च कर बनाई गई साज सज्जा अनदेखी की भेंट चढ़ रही हैं।

(फोटोः नाहीद शेख)

11 दिन से हड़ताल पर बैठे टॉप वर्थ के श्रमिक

वेतनमान और पीएफकी मांग को लेकर रसमड़ा में आंदोलन, श्रमिकों के समर्थन में उतरे पूर्व विधायक वोरा

विशेष प्रतिनिधि / दुर्ग। रसमड़ा टॉप वर्थ कंपनी में कार्यरत श्रमिकों ने अपनी वेतनमान सहित अन्य मांगों को लेकर काम बंद कर 11 दिनों से हड़ताल पर बैठे हुए है। जिनके समर्थन में दुर्ग के पूर्व विधायक अरुण वोरा भी उतरे और मौके पर जाकर हड़ताल पर बैठे श्रमिकों से मुलाकात की।

बता दें,रसमड़ा स्थित टॉपवर्थ कंपनी में कार्यरत लगभग 300 से 500 श्रमिक परिवार इन दिनों गंभीर आर्थिक और मानसिक परेशानियों से जूझ रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि उनके वेतन से 24त पीएफ कटौती की जा रही है, लगातार अत्याधिक ओवरटाइम कराया जा रहा है तथा भुगतान में भी कटौती की जा रही है। अपनी इन्हीं मांगों और समस्याओं को लेकर श्रमिक पिछले 11 दिनों से आंदोलनरत हैं।श्रमिकों के समर्थन में दुर्ग शहर के पूर्व विधायक प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा इनके समर्थन में उतरे और इनकी रैली में शामिल हुए और इनकी समस्याएं सुनीं। बड़ी संख्या में मौजूद श्रमिकों ने उन्हें अपनी पीड़ा और परिवारों पर पड़ रहे आर्थिक संकट से अवगत कराया।

इस दौरान अरुण वोरा ने कहा कि कर्मचारियों की आंखों में अपने परिवार और रोजगार को लेकर चिंता साफ दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि जो श्रमिक दिन-रात मेहनत कर उद्योग को आगे बढ़ाते हैं, यदि वही अपने अधिकारों और वेतन के लिए सड़कों पर उतरने को मजबूर हों, तो यह बेहद गंभीर विषय है।प्रशासन और कंपनी प्रबंधन की जिम्मेदारी है कि कर्मचारियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए निष्पक्ष जांच कर तत्काल समाधान निकाला जाए।

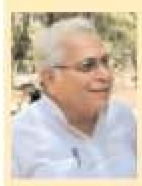

अरुण वोरा का कहना है कि उन्होंने इस पूरे मामले को लेकर जिला कलेक्टर से चर्चा की है और श्रमिकों को जल्द से जल्द राहत प्रदान करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मजदूरों के इस संघर्ष में वे सदैव मजबूती से खड़े रहेंगे।

अरुण वोरा
पूर्व विधायक कांग्रेस

गंगा दशहरा पर भव्य आरती पूजन

गाजीपुर। मॉं गंगा के अवतरण दिवस को लेकर मनाया जाने वाला गंगा दशहरा के अवसर पर गाजीपुर नगर के चीतनाथघाट गंगाघाट पर सोमवार को सायं भव्य आरती का आयोजन गंगा समग्र के तत्वाधान मे किया गया। जिसकी जानकारी देते हुए शंकर पाण्डेय ने बताया की आज ही के दिन राजा भागीरथी के प्रयास से स्वर्ग से पृथ्वी लोक पर जनकल्याण के लिए भगवान शिव के जटाओ से निकल कर मां गंगा पृथ्वी पर आयी। जिनका गंगा दशहरा के अवसर पर आज हम गंगा को निर्मल व अविरल स्वच्छ बनाये रखने के लिए प्रातःकाल ददरीघाट पर स्वच्छता अभियान जिला शासकीय अधिवक्ता कृपाशंकर राय व गंगा समग्र के संरक्षक विजय नरायन राय, विहिप के विपिन श्रीवास्तव, मंटू, शास्वत, शशिकांत शर्मा, सरकारी अधिवक्ता राम कुमार राय, सुग्रीव बिन्द के सहयोग से श्रम दान कर सफाई की गयी। सायंकाल चीतनाथघाट पर काशी से आये पुरोहितो के द्वारा मां गंगा का पूजन व आरती कराया गया और भव्य संगीतमय आरती का मंचन किया गया। इस अवसर पर विधिवत पूजन अर्चन किया गया। जिसमे काशी प्रान्त से आये सेवा भारती के डा.राहुल सिन्हा, अखिल भारतीय कथक नृत्यांगना सोनी चौरसिया, काशी प्रान्त से आये दिलीप सिंह, मुकुंद नारायण पाण्डेय, शकुन्तला जायसवाल, किरन सिंह, सुयश मिश्रा, लक्ष्मीकान्त मिश्रा, चंद्र कुमार, जयप्रकाश राय, स्वप्निल राय, दीपक राय, सुधारक राय, अंजनी तिवारी, किरन सिंह, प्रशान्त, प्रज्ञा सिंह, अशोक राय, दीपक तिवारी, रास बिहारी राय, आदित्य जायसवाल आदि उपस्थित रहे।

दुर्ग जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में बैठक

10 जून तक शिक्षक समस्याओं के निराकरण के निर्देश

दुर्ग। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय दुर्ग में आज कर्मचारी संगठन के प्रतिनिधियों और विभागीय अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में कर्मचारियों और शिक्षकों की लंबे समय से लंबित समस्याओं पर गंभीर चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित दुर्ग, धमधा और पाटन के विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को आगामी 10 जून 2026 तक सभी लंबित मामलों का अनिवार्य रूप से निराकरण करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं।

सेवा पुस्तिका और चिकित्सा देयक पर विशेष ध्यान- बैठक के दौरान कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं की समीक्षा की गई। जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा ने विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिक्षकों और कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका का संधारण, चिकित्सा देयकों का भुगतान और बैंक पासबुक संधारण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाए। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में ये रहे उपस्थित- इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रशासनिक पक्ष से विकासखंड शिक्षा अधिकारी दुर्ग विनोद शुक्ला, धमधा बीईओ अथर्व शर्मा और पाटन बीईओ ढालेंद्र देवांगन उपस्थित रहे। वहीं कर्मचारी व शिक्षक संगठनों की ओर से छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग कर्मचारी संगठन के जिला अध्यक्ष (दुर्ग) भानु प्रताप यादव, शिक्षक फेडरेशन के जिला अध्यक्ष चंचल द्विवेदी, सुखेंद्र देवांगन, धर्मेंद्र देशमुख, गिरीश साहू और ओम प्रकाश पांडे शामिल हुए। कर्मचारी प्रतिनिधियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि तय समय-सीमा में उनकी मांगों का समाधान हो जाएगा।

नवतपा के दूसरे दिन भट्टी की तरह तपा दुर्ग जिला, पारा 44 डिग्री के पार

ऑरेंज अलर्ट के बीच सड़कों पर पसरा सन्नाटा

गर्म हवा के थपेड़ों से लोग बेहाल, तीखी धूप के कारण दोपहर में 'रियल फील' तापमान 46 डिग्री के पार पहुंचा

मौसम विभाग की चेतावनी- अगले 3-4 दिनों तक भीषण लू (हीटवेव) से राहत मिलने के आसार नहीं

विशेष प्रतिनिधि/दुर्ग, 26 मई। नवतपा के शुरू होते ही दुर्ग-भिलाई सहित पूरे जिले में सूर्यदेव ने अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। मंगलवार को नवतपा के दूसरे दिन जिले का अधिकतम तापमान रिकॉर्ड 44.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से अधिक रहा। दोपहर के समय तीखी धूप और वातावरण में उमस के कारण वास्तविक महसूस होने वाला तापमान (रियल फील) 46 डिग्री सेल्सियस से भी ऊपर महसूस किया गया। सुबह 10 बजे से ही आसमान से बरसती आग और चलती गर्म हवाओं (लू) के कारण जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया, जिससे दोपहर के समय शहर के मुख्य बाजारों और सड़कों पर अघोषित कर्फ्यू जैसा सन्नाटा पसरा रहा।

ऑरेंज अलर्ट जारी, रात में भी राहत नहीं- मौसम विभाग ने दुर्ग सहित मध्य छत्तीसगढ़ के मैदानी इलाकों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' (Orange Alert) जारी किया है। रात का न्यूनतम तापमान भी 31 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच बने रहने के कारण लोगों को रात में भी भीषण उमस और गर्मी का सामना करना पड़ रहा है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, वर्तमान में राजस्थान से आ रही शुष्क और गर्म हवाओं के कारण छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में 'लू' की स्थिति बनी हुई है, जो अगले 3 से 4 दिनों तक इसी तरह बरकरार रह सकती है।

भीषण गर्मी से बचने के लिए लोग केवल बेहद जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर कदम रख रहे हैं। धूप से बचने के लिए लोग चेहरों और सिर को सूती कपड़ों व स्कार्फ से ढककर निकल रहे हैं। वहीं, शरीर को ठंडा रखने के लिए शहर के चौक-चौराहों पर स्थित गन्ने के रस, छाछ, लस्सी और नींबू-पानी के ठेलों पर लोगों की भारी भीड़ देखी जा रही है।

स्थानीय डॉक्टरों की सलाह है कि,दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच सीधे धूप में निकलने से बचें।

घर से बाहर निकलते समय पानी या ओआरएस (ङ्गक्र) का घोल पीकर ही निकलें।

खाली पेट तेज धूप में न जाएं और चक्कर या उल्टी आने पर तुरंत नजदीकी डॉक्टर से संपर्क करें।

फर्जी टैक्स वसूली पर लगेगी रोक, निगम ने सहायक राजस्व निरीक्षकों को जारी किए पहचान पत्र

निगम प्रशासन द्वारा करदाताओं से अपील,अधिक से अधिक कर का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से करें

दुर्ग । नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा करदाताओं के हितों की सुरक्षा एवं फर्जी टैक्स वसूली की शिकायतों पर रोक लगाने के उद्देश्य से राजस्व विभाग में कार्यरत सहायक राजस्व निरीक्षकों को आधिकारिक पहचान पत्र जारी कर दिए गए हैं। निगम प्रशासन की इस पहल से अब करदाता आसानी से निगम के अधिकृत कर्मचारियों की पहचान कर सकेंगे तथा फर्जी व्यक्तियों द्वारा टैक्स वसूली के नाम पर होने वाले फर्जीवाड़े पर प्रभावी अंकुश लग सकेगा। बैठक में आयुक्त सुमित अग्रवाल ने जानकारी देते हुए कहा कि नगर निगम द्वारा कर संग्रहण कार्य में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए यह व्यवस्था लागू की गई है। उन्होंने बताया कि निगम द्वारा नियुक्त अधिकृत कर्मचारी ही टैक्स संग्रहण कार्य करेंगे और सभी कर्मचारियों को पहचान पत्र जारी कर दिए गए हैं। बैठक में राजस्व अधिकारी आरके बोरकर सहित राजस्व विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि टैक्स भुगतान करने से पहले संबंधित कर्मचारी का पहचान पत्र अवश्य देखें और सत्यापन के बाद ही राशि जमा करें। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने नागरिकों से विशेष सावधानी बरतने की अपील करते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति बिना पहचान पत्र के टैक्स राशि की मांग करता है, तो उसकी जानकारी तत्काल संबंधित वार्ड पार्षद अथवा नगर निगम कार्यालय से सत्यापित करें। यदि मामला फर्जी पाए जाने की पुष्टि होती है तो तत्काल पुलिस को भी सूचना दें, ताकि दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा सके। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नागरिकों की सुरक्षा, पारदर्शी कर व्यवस्था और फर्जीवाड़े पर रोक लगाने के लिए आगे भी आवश्यक कदम लगातार उठाए जाते रहेंगे। निगम प्रशासन द्वारा करदाताओं से अपील,अधिक से अधिक कर का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से करें। नगर निगम प्रशासन द्वारा शहर के समस्त करदाताओं से अपील की गई है कि वे करों का भुगतान अधिक से अधिक ऑनलाइन माध्यम से करें। ऑनलाइन भुगतान से समय की बचत होती है, पारदर्शिता बनी रहती है तथा करदाताओं को निगम कार्यालय के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। ऑनलाइन कर भुगतान व्यवस्था नागरिक सुविधाओं को सरल और सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। ऑनलाइन कर भुगतान व्यवस्था से नागरिक घर बैठे सुरक्षित रूप से भुगतान कर सकते हैं। निगम प्रशासन ने नागरिकों से निर्धारित समय सीमा के भीतर कर जमा कर नगर विकास में सहभागी बनने की अपील की है।

45 लाख रुपए की लागत से संवर रहा शक्ति नगर तालाब

महापौर और लोककर्म प्रभारी ने किया निरीक्षण

दुर्ग । पटरीपार क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 17 शक्ति नगर स्थित तालाब के गहरीकरण एवं पिचिंग कार्य का आज महापौर अलका बाघमार ने लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, वार्ड पार्षद सुरूचि उमरे,अरुण सिंह, उपअभियंता पंकज साहू एवं वार्ड के नागरिकों के साथ निरीक्षण कर प्रगति कार्यों का जायजा लिया।

लगभग 45 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान कर कार्य आदेश जारी किया गया है। वर्तमान में कार्य लगातार प्रगति पर है तथा निगम प्रशासन द्वारा गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

बताया जा रहा है कि तालाब गहरीकरण एवं पिचिंग का कार्य तेजी से किया जा रहा है तथा आगामी 15 से 20 दिनों के भीतर कार्य को पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कार्य पूर्ण होने के बाद क्षेत्र में जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा तथा तालाब की संरचना अधिक मजबूत और सुरक्षित होगी। इस दौरान महापौर अलका बाघमार ने कार्यस्थल का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने और समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर में आधारभूत सुविधाओं के विकास के साथ-साथ जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। तालाबों का संरक्षण आने वाले समय में जल संकट से निपटने के लिए महत्वपूर्ण कदम है।

महापौर अलका बाघमार ने कहा नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ कराया जा रहा है। तालाबों का संरक्षण एवं संवर्धन हमारी प्राथमिकता है। शक्ति नगर तालाब का गहरीकरण एवं पिचिंग कार्य पूर्ण होने से क्षेत्रवासियों को लाभ मिलेगा तथा जल संरक्षण को मजबूती मिलेगी।

लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने कहा निगम प्रशासन द्वारा स्वीकृत कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने का प्रयास किया जा रहा है। शक्ति नगर तालाब विकास कार्य पूरा होने के बाद क्षेत्र की जल संरचना मजबूत होगी और नागरिकों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com